दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 76
मुरादाबाद
06 July 2025
(Sunday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

यूपी में दूल्हे समेत आठ की मौतः दीवार से चिपक गई थी बोलेरो...बुरी तरह फंसे थे लोग;इस वजह से हुआ दर्दनाक हादसा

संभल में तेज रफ्तार ने दो परिवारों की खुशियां लील लीं। चालक की लापरवाही से बड़ा हादसा हुआ। गेट तोड़कर बोलेरो से निकाले शव गए, लोग हादसे के तुरंत बाद मौके पर पहुंच गए थे लेकिन तत्काल मदद नहीं कर सके। दीवार से गाड़ी चिपक गई थी।उत्तर प्रदेश के संभल में दर्दनाक सड़क हादसा बोलेरो चालक को लापरवाही से हुआ है। बोलेरो रफ्तार बेकाबू थी। इसके चलते ही चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण खो दिया और अचानक से गाड़ी पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि दूर तक आवाज पहुंची, लोग मौके पर आए, लेकिन मदद नहीं कर सके क्योंकि क्षतिग्रस्त बोलेरो दीवार से चिपक जैसी गई थी। पुलिस के पहुंचने पर शव और घायल बोलेरो से बाहर निकाले गए। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि वह हादसे के बाद मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने पुलिस के साथ आम लोगों से भी हादसे की जानकारी ली। एसपी ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा चालक की लापरवाही से हुआ है। बोलेरो की रफ्तार तेज थी।

अचानक से ही कॉलेज की दीवार से जा भिड़ी। इस भीषण हादसे में आठ लोगों की जान चल गई है, एक घायल का उपचार चल रहा है, जिसकी हालत गंभीर है। तीन वर्षीय बालिका की हालत ठीक है। मौके पर पांच लोगों ने दम तोड़ा था। घटनास्थल पर पुलिस को आधार कार्ड मिले थे। उसके माध्यम से सूचना पीड़ित परिवार तक पहुंचाई गई।एसपी ने बताया कि हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो क्रेन से बोलेरो को दीवार से दूर किया गया। इसके बाद मशीन से बोलेरो के दरवाजे काटे गए। तब शव और घायलों को निकाला गया। पहले सीएचसी भर्ती कराया और बाद में अलीगढ़ के लिए रेफर कराया गया।तत्काल मिलता उपचार तो शायद बच सकती थी कई की जान घटनास्थल और थाने की दूरी करीब 400 मीटर है। हादसा करीब 7:30 बजे हुआ है। सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस के पहुंचने तक राहगीर मदद करने के प्रयास में लगे रहे। जब पुलिस पहुंची तो घायल सीएचसी ले जाए गए। पांच लोगों की तो मौके पर ही मौत हो गई थी। पांच लोग तड़प रहे थे। हादसा होने और उपचार मिलने में करीब 40 मिनट का समय लग गया। ग्रामीणों ने कहा कि यदि इन घायलों को तत्काल उपचार मिल जाता तो शायद कई लोगों की जान बच सकती थी। हादसा भीषण होने के कारण सभी का खून ज्यादा बह गया। ज्यादा खून बहना और गहरे जख्म होने को ही लोग मौत का कारण मान रहे हैं।विधायक पुत्र और पूर्व विधायक ने परिजनों को ढांढस बंधाया हादसे के बाद विधायक गुन्नौर रामखिलाड़ी यादव के बेटे अखिलेश यादव सूचना पाकर सीएचसी पहुंचे और घायलों व उनके परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इसी दौरान पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ राजू यादव ने भी मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और मृतकों और घायलों के परिजनों को सांत्वना दी।उधर, सीएमओ डॉ. तरुण पाठक समेत नायब तहसीलदार बबलू कुमार और अनुज कुमार ने सीएचसी पहुंच कर जानकारी ली है। वहीं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई घटनास्थल का मुआयना किया।गांव हरगोविंदपुर से बरात करीब साढ़े छह बजे रवाना हो गई थी। 11 वाहनों में सवार होकर बराती रवाना हुए थे लेकिन तैयारियों और रस्म अदा होने के चलते दूल्हे की रवानगी में देर हुई। सात बजे के बाद ही दूल्हा और परिवार के लोग कार से रवाना हुए तो जुनावई के नजदीक करीब 700 मीटर बाद ही हादसा हो गया।माना जा रहा है कि चालक ने रफ्तार बरात की गाड़ियों को पकड़ने के लिए भरी थी। इसके चलते ही वह रफ्तार भरता गया और नियंत्रण खो जाने से हादसा हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि बरात बदायूं की तहसील बिल्सी के गांव सिरसौल जानी थी। जिसकी दूरी हरगोविंदपुर से करीब 50 किलोमीटर है। कार से एक घंटे का सफर माना जाता है।बरात की सभी गाड़ियां पहले रवाना हो गई थीं इसलिए चालक ने रफ्तार बढ़ा दी थी। क्योंकि बरात की गाड़ियां करीब 20 किलोमीटर दूर ही गांव दहकमा तक ही पहुंच सकी थीं। हादसे की सूचना जब बरातियों को दी गई थी तो सभी वाहन रास्ते से ही लौट आए। रिश्तेदार और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया।

गांव में भी मातम छा गया।यूपी में दूल्हे समेत आठ की मौत मेरठ-बदायूं रोड पर शुक्रवार की शाम करीब 7:30 बजे बरातियों की बोलेरो अनियंत्रित होकर इंटर कॉलेज की दीवार से टकरा गई। हादसे में दूल्हे सूरज पाल (20) समेत आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दूल्हे की बहन, चाची, चचेरी बहन और रिश्तेदार भी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिना लिखित परीक्षा यूपी में सरकारी नौकरी का मौका! GATE स्कोर से होगा चयन; नहीं देना होगा कोई शुल्क

उत्तर प्रदेश स्टेट ब्रिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने असिस्टेंट इंजीनियर के पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। इस भर्ती में उम्मीदवारों का चयन गेट के स्कोर के आधार पर किया जाएगा, और किसी भी तरह की लिखित परीक्षा नहीं होगी। खास बात यह है कि आवेदन के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।उत्तर प्रदेश स्टेट ब्रिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPSBC) ने भर्ती वर्ष 2025 के लिए असिस्टेंट इंजीनियर के कुल 57 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट bridgecorporationltd.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 7 जुलाई 2025 से शुरू होगी और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। जारी भर्ती विज्ञापन के अनुसार, कुल 57 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इनमें से 50 पद सहायक अभियंता (सिविल) और 7 पद सहायक अभियंता (मैकेनिकल) के लिए आरक्षित हैं।शैक्षणिक योग्यता सहायक अभियंता (सिविल) पद के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से सिविल इंजीनियरिंग में पूर्णकालिक स्नातक डिग्री होनी चाहिए। इसी तरह, सहायक अभियंता पद के लिए उम्मीदवार के पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पूर्णकालिक डिग्री अनिवार्य है।

अखिलेश का भाजपा पर वारः बोले- जिन लोगों ने जेपीएनआईसी को बर्बाद कर दिया, वो अब बिहार में वोट कैसे मांगेंगे?

लखनऊ स्थित जेपीएनआईसी को एलडीए को सौंपने पर अखिलेश यादव का दर्द छलका। उन्होंने भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि जिन लोगों ने जेपीएनआईसी को बर्बाद कर दिया, वो अब बिहार में वोट कैसे मांगेंगे?राजधानी लखनऊ में शनिवार को सपा मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने जेपीएनआईसी को एलडीए को सौंपने पर सरकार को घेरा। कहा कि हम जेपीएनआईसी के फाउंडर मेंबर हैं। उद्घाटन के समय जार्ज फर्नांडीज भी थे। नेताजी थे। मोहन सिंह थे। समाजवाद और जेपी के योगदान के लिए इस केंद्र को बनाया गया है। अखिलेश ने भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि जिन लोगों ने जेपीएनआईसी को बर्बाद कर दिया। वो अब बिहार में वोट कैसे मांगेंगे। जेपी इतना बड़ा नाम है, इसे एलडीए को दे रहे हैं। एलडीए का काम देख लीजिएगा। इनका बनाया बाजार कबूतरखाना लगता है।क्राइम में भाजपा के लोग शामिल- सपा प्रमुख ने एक बार फिर दोहराया कि हम जेपीएनआईसी को खरीदने को तैयार हैं। कानून व्यवस्था को लेकर भी वह सरकार पर जमकर बरसे। कहा कि प्रदेश में सबसे ज्यादा सुनार मारे जा रहे हैं। कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। क्राइम में भाजपा के लोग शामिल हैं। इस मौके पर उन्होंने तेंदुए से संघर्ष करने वाले श्रमिक को दो लाख रुपये का चेक भी सौंपा।

'हम साथ आए हैं, हम साथ रहेंगे', राज ठाकरे के साथ 20 साल बाद मंच साझा करने पर बोले उद्धव

शिवसेना (UBT) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) की संयुक्त रैली के दौरान दोनों भाइयों उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने गले मिलकर एक दूसरे को बधाई दी। महाराष्ट्र सरकार ने हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने के लिए दो सरकारी प्रस्तावों को रद्द कर दिया है। इसका जश्न मनाने के लिए दोनों दलों ने इस रैली का आयोजन किया।महाराष्ट्र सरकार की ओर से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने के लिए दो सरकारी प्रस्तावों को रद्द करने के बाद उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने मुंबई के वर्ली डोम में एक संयुक्त रैली की। पहले राज ठाकरे ने रैली को संबोधित किया और कहा कि आज 20 साल बाद मैं और उद्धव एक साथ आए हैं। जो काम बालासाहेब नहीं कर पाए, वो देवेंद्र फडणवीस ने किया... हम दोनों को साथ लाने का काम। इसके बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम साथ आए हैं, हम साथ रहेंगे। हम साथ रहने के लिए ही साथ आए हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा, हमारी ताकत हमारी एकता में है, जब भी कोई चुनौतीपूर्ण समय आता है, हम सभी एक साथ आते हैं, लेकिन हम सभी ने अनुभव किया है कि जब चुनौतीपूर्ण समय बीत जाता है, तो हम सभी अपने निजी हितों के लिए जाते हैं, जो इस बार नहीं होना चाहिए। हम दोनों का एक साथ आना और यह मंच हमारे भाषणों से ज्यादा महत्वपूर्ण उद्धव ठाकरे ने कहा, जब से हमने इस कार्यक्रम की घोषणा की थी, तब से सभी को आज हमारे भाषण का बेसब्री से इंतजार था, लेकिन मेरे विचार से हम दोनों का एक साथ आना और यह मंच हमारे भाषणों से ज्यादा महत्वपूर्ण था। राज ठाकरे पहले ही बहुत शानदार भाषण दे चुके हैं और मुझे लगता है कि अब मुझे बोलने की कोई जरूरत नहीं है।..तो हां, हम गुंडा हैं उद्धव ठाकरे ने कहा, आप (शिवसेना) पहले ही हमारा काफी इस्तेमाल कर चुके हैं। अगर आपको बालासाहेब ठाकरे का समर्थन नहीं था, तो महाराष्ट्र में आपको कौन जानता था। आप हमें हिंदुत्व के बारे में सिखाने वाले कौन होते हैं? जब मुंबई में दंगे हो रहे थे, तब हम मराठी लोगों ने महाराष्ट्र के हर हिंदू को बचाया था, चाहे वह कोई भी हो। अगर आप मराठी लोगों को गुंडा कह रहे हैं जो अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, न्याय मांग रहे हैं। तो हां, हम गुंडा हैं। एक निशान तिरंगा है, न कि भाजपा का झंडा- शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा, जब भाजपा कहती है कि उन्हें एक संविधान, एक निशान और एक प्रधानमंत्री चाहिए, तो उन्हें याद रखना चाहिए कि एक निशान तिरंगा है, न कि भाजपा का झंडा, जो बर्तन साफ करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला कपड़े का टुकड़ा है। आपने महाराष्ट्र की रीढ़ तोड़ने की पूरी कोशिश की उद्धव ठाकरे ने कहा, वे हमेशा हमसे पूछते हैं कि हमने बीएमसी में अपने शासन के दौरान मुंबई में मराठी लोगों के लिए क्या किया। अब हम सवाल पूछ रहे हैं- आपके शासन के पिछले 11 वर्षों में आपने क्या किया है? आपने मुंबई के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को गुजरात में धकेल दिया है। कारोबार गुजरात में स्थानांतरित हो रहे हैं। बड़े कार्यालय गुजरात जा रहे हैं। हीरा व्यवसाय पहले ही गुजरात में स्थानांतरित हो चुका है, इसलिए आपने महाराष्ट्र की रीढ़ तोड़ने की पूरी कोशिश की है और ऐसा करना जारी रखा है, और आप हमसे सवाल पूछ रहे हैं।

नीरव का भाई नेहल मोदी अमेरिका में गिरफ्तार; सीबीआई-ईडी के प्रत्यर्पण अनुरोध पर कार्रवाई

पीएनबी घोटाले में शामिल नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है।

ईडी और सीबीआई की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग और आपराधिक साजिश के मामलों में प्रत्यर्पण अनुरोध पेश करने के बाद यह कार्रवाई की गई है।भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई और ईडी के प्रत्यर्पण के अनुरोध के बाद उन पर शिकंजा कसा गया है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई को 4 जुलाई को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद हुई।प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो मामलों में की जा रही

अमेरिकी अभियोजन पक्ष की ओर से दर्ज की गई शिकायत के मुताबिक, प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो मामलों में की जा रही है- एक मामला धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 की धारा 3 के तहत धन शोधन का और दूसरा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी और 201 के तहत आपराधिक साजिश का। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में वांछित नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में वांछित है।

यह देश के इतिहास में सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से की गई जांच में नेहल मोदी को नीरव मोदी की आपराधिक आय को वैध बनाने के लिए काम करने वाले अहम शख्स पाया गया था,

जो ब्रिटेन से प्रत्यर्पण का भी सामना कर रहा है।अगली सुनवाई की तारीख 17 जुलाई नेहल पर आरोप है कि उसने भारतीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए शेल कंपनियों और विदेशी लेनदेन के नेटवर्क के जरिए भारी मात्रा में अवैध धन को छिपाने और स्थानांतरित करने में सहायता की। प्रत्यर्पण कार्यवाही के लिए अगली सुनवाई की तारीख 17 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। वह इस दौरान जमानत के लिए आवेदन कर सकता है, जिसका अमेरिकी अभियोजन पक्ष ने विरोध करने की बात कही है।

संपादकीय Editorial

'Pahalgam' in Kanwar Yatra

Kanwar Yatra is starting from 11th July. The communal tension and hatred that has been seen in these years, more or less such an atmosphere was not there 10 years ago. Although Hindu-Muslim has been an eternal sentiment in Indian politics, but during Kanwar Yatra, Muslims have also been seen serving the devotees of Shiva a lot. Camps have been set up, food is served, sweet water is given, first aid has also been done for the wounds of Shiva devotees. Then what happened that the situation has come to comparing the workers of Hindu organizations with the killer terrorists of Pahalgam? The UP and Uttarakhand governments have issued orders that the dhabas, hotels, restaurants, shopkeepers, hawkers on the route of Kanwar Yatra will put up clear nameplates. They should also show the license number and keep an identity card. That is, it should be clear whether the owner of the dhaba, hotel is a Hindu or a Muslim! This system was implemented last year too, so that the faith and devotion of the Kanwariyas is not broken. This journey to Haridwar and Rishikesh, often barefoot, is a major religious event for Hindus. In July 2024, the Supreme Court had stayed the government's instructions with an interim order. The apex court's decision was that it is not necessary to put up a nameplate. However, it should be clearly written whether vegetarian or non-vegetarian food is available in the dhaba. The Kanwar pilgrim will be able to choose a vegetarian dhaba according to his festival. But flouting the court's decision, the BJP governments of UP and Uttarakhand issued orders again this year. Under its guise, some self-proclaimed hooligans of Hindu organizations came to investigate a dhaba located on National Highway-58. Arguments were given that the dhaba belonged to a Muslim, but the board read - 'Pandit ka Shuddh Vaishno Dhaba'. That is, the crime of hiding identity was committed. There are allegations that the hooligans tried to check whether they were Hindus or Muslims by making the dhaba employees remove their pants! The controversy flared up from here. Former Samajwadi Party MP ST Hasan said that what is the difference between these and the terrorists of Pahalgam? Both types of terrorists committed misdeeds in the name of religion. The only difference is that the terrorists of Pahalgam asked about their religion and shot and killed Hindu tourists. The supporters of the Kanwariyas had made them remove their pants. The police is investigating whether this incident took place at that dhaba or it was given a 'communal twist'. There are names of 6 accused in the FIR. All are said to be from Hindu organizations. A self-proclaimed baba has also jumped into this incident, who teaches yoga in the same area. He has threatened that if any case is made, then a movement will be started across the country. The baba has termed the incident of removing the pants as fake. The most serious question here is whether the law and order of the state governments is out of control and in the hands of Hindu bullies? UP is the largest state of the country and is politically very sensitive. BJP had suffered a huge setback in the Lok Sabha elections. After that, BJP leaders have been saying off the record that we will do such Hindu-Muslim violence that everyone will be left watching. Is the same politics coming to the fore? However, police experts believe that the 'beat constable' has the complete data of the names, father's name, mobile, address etc. of the dhabas, hotels and hawkers of the area. Then who had instructed the Hindu hooligans to conduct raids for investigation? Who had given the green signal? This act is criminal and punishable, but it is believed that these so-called Hindu hooligans have been thriving under a certain political.

Playing with education in the name of reform, controversy and concerns over government steps

Statistics show that since its implementation, the enrollment of girls in these universities has decreased by 30 percent. Enrollment in Delhi University itself is now limited to only three-four states of North India, which once used to attract brilliant youth from the whole country. Some government steps to improve education are becoming controversial. Recently, the Uttar Pradesh government has decided to close about 5,000 schools. Earlier, the governments of Rajasthan and other states have also closed thousands of schools in the name of merger. The argument being made is that where there are less than 50 children, they will be transferred to the nearest school. Those who are familiar with more than six lakh villages of the country can imagine its terrible adverse effects on education. After continuous efforts, our literacy rate has reached 80 percent, in which the literacy rate of girls is very low especially in North India. The situation of Bihar and Uttar Pradesh is disappointing in overall literacy. If nearby schools are closed, it will have the worst impact on the education of girls, which is a basic condition for the development of any society and country. The girls of the country are performing excellently in every field despite less facilities, but some policies seem to be going against them. The new entrance exam CUET introduced for admission in central universities has also affected their enrollment. Statistics show that since its implementation, the enrollment of girls in these universities has decreased by 30 percent. Enrollment in Delhi University itself is now limited to only three-four states of North India, which once used to attract meritorious youth from the entire country. Meanwhile, the number of people studying abroad has more than doubled in the last five years. The Right to Education Act says that there should be a school within one kilometer for every child from first to fifth class and there should be a school within a radius of three kilometers for every child from sixth to eighth class. Probably the Uttar Pradesh government has not seriously considered this aspect. The policy makers behind this seem to be those, most of whom have studied in cities, metros, abroad and in English medium. The Yogi government of Uttar Pradesh had done some good work in education during its first term, which included the recruitment of 60 thousand teachers. This has made qualified teachers available in all schools. Meanwhile, a lot of improvement has also taken place in toilets and other buildings, but this step alone will be a big blow to the efforts made in the last decades to improve literacy, education and schools. This U-turn can shatter India's dream of becoming a developed country. There should be a deep investigation as to why the number of children in government schools is decreasing? Why can't the responsibilities of some other additional work on teachers like collecting data related to population, conducting elections, opening bank accounts, implementing the Mid Day Meal Scheme be reduced? Why has a mechanism not been developed at the district level to inspect these schools and listen to their problems? Why are concrete steps not being taken at the district level for their motivation? Surveys show that district officials hardly visit five percent of government schools. In government schools, the government provides uniforms to the students, gives stipends, does not charge any fees and qualified teachers selected through competitive examinations are appointed. Despite this, children do not come there. This is the biggest irony for independent India. This is the failure of the government system. In 2015, the Allahabad High Court had also given a decision that it should be mandatory for the children of every government employee, MLA etc. to study in these schools. To realize the concept of developed India, the government should implement it. Along with this, libraries, laboratories and better curriculum should be created in the schools in their own language. This will free the children from the burden of English and also make them self-reliant. Government schools will start shining only with this basic change at the district level. The rule of the new education policy has also affected this. The rule says that children below the age of six years will not be enrolled in the first class. Due to this, children have stopped coming to government schools. Meanwhile, there has been a flood of admissions in private schools without proper buildings, toilets, sports facilities. Once a child gets admitted there, it is not easy to remove him. Therefore, the age of admission needs to be raised to five years immediately. There is no criteria for eligibility for teacher recruitment in these schools. The employment aspect is equally important. The growing discontent among unemployed youth will be very unfortunate and it may also have an impact on the upcoming state assembly elections. Every year on June 25, we remember the Emergency, during which the voice of the people was completely ignored or suppressed. Better education, equal education is the right of every person. And this is democracy. The government needs to seriously reconsider all these things.

Hope to remove obstacles in research and development, RDI scheme will turn the tables

It is essential for any country to invest in research and development (R&D) for economic progress. In India, the government has made several efforts to promote investment in this sector such as National Research Foundation and PLI scheme. Low participation of the private sector is a challenge. If a country has to achieve the goal of economic progress of long-term and sustainable nature, then investment in research and development (R&D) is not only necessary but also mandatory. History is full of such examples. Britain's industrial revolution was inspired by well-organized scientific exploration and the exercise of codifying patent rights, which encouraged new inventions in various industries. Keeping science at the center of government policies played an important role behind America's emergence as a superpower in the twentieth century. During this period, America invested heavily in defense, space and medical research with the establishment of institutions like National Science Foundation and Defense Advanced Research Project Agency-DARPA. It gave new dimensions to all areas from aerospace to the Internet. Putting research and development at the centre of policies has played a key role in China's recent rise, and especially its identity as a technology superpower. Investments by the Chinese government and the industrial sector in promising cutting-edge technologies have given Beijing an edge. It is clear that a country that has put science at the core of its policies has not only created new paradigms of prosperity but also expanded its sovereignty. The government has made every effort in recent years to end the investment drought on India's R&D scene. From the Research National Research Foundation (ANRF), the expanded production-based incentive-PLI scheme for high-tech sectors to investments in semiconductors, space and quantum technology, they are symbols of serious policy commitment towards science-oriented development. However, the private sector has not shown the right coordination in this, which does not seem willing to take risks. While the private sector's share in research and development activities in countries like the US, Japan and China is up to 70 percent, in India it is limited to just one-third. This is one of the reasons why the pace of development is not picking up as expected. If we examine the reasons behind this cautious attitude of the private sector, the first thing that appears is that many companies are active in competitive areas where the cost aspect is very important and the profit margins are also not very high. In such a situation, there is uncertainty about the benefits of any long-term innovation. Due to the weak link between industry and academia, companies often do not get skilled researchers and they stay away from cutting-edge research. The level of corporate governance in many Indian companies is also a big obstacle, in which immediate benefits are given priority over long-term capacity building. Since India lacks a deep venture capital ecosystem for science-focused startups, they do not get the financial fuel to take off even initially. Regulatory uncertainty and limited intellectual property support also discourage companies from increasing efforts in research and investment. As a result, research and development in India is considered more of a burden than an asset. To remove the discrepancies on this front, the central government has announced the Research Development and Innovation (RDI) scheme on July 1. This scheme of Rs 1 lakh crore can prove to be a game changer in terms of establishing India as a global knowledge and innovation center. This will increase the financial flow in the stream of R&D investment. Many useful provisions have been made in it. For example, long-term debt or equity funding will be made available to the private sector at zero or very low interest for innovation-intensive projects. This will provide the necessary investment from emerging sectors to strategically important sectors, which will realize new possibilities in all areas like quantum technology, clean energy, semiconductors and aerospace. Under the RDI scheme, financial resources will be available to active fund managers at the secondary level through a special purpose fund. These managers will provide capital to the deep-tech fund in the form of debt, equity or any other form. This institutional framework ensures strategic coherence, accountability and efficiency. By providing clear financial resources for higher Technology Readiness Levels (TRLs), this scheme will help enterprises in the Indian R&D landscape cross the dangerous line where most enterprises fail. It will have a special focus on enterprises whose technology will help protect India's economic security and sovereignty. This is very important especially in the context of global supply chain disruptions and export controls by a country. In this scheme, the government is going to play a catalytic role not only as a resource provider but also as an anchor investor. This will also usher in the dawn of investment in areas where there was darkness of despair till now. It will also try to ensure that financial resources are not only available in sufficient quantity, but they are also the ones that deliver results where competition is limited. Aspects such as data and transparency should not be overlooked. This policy is very important for India's aspirations to become a global power in research and development and a technology exporter by 2047. If implemented properly, it can play the same role for India as DARPA did for the US and the National IC Fund for China.

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने सर्किट हाउस में की जनसुनवाई, थाना मझोला, वन स्टाफ सेंटर, जिला चिकित्सालय और जिला जेल का किया निरीक्षण

राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती संगीता जैन की अध्यक्षता में सर्किट हाउस के सभागार में महिला जनसुनवाई आयोजित हुई।

महिला जनसुनवाई के दौरान विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न/समस्याओं से संबंधित 12 शिकायतें पत्र प्राप्त हुए। उन्होंने प्रत्येक महिला की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित जनसुनवाई का उद्देश्य महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न को रोकना तथा उन्हें न्याय दिलाना है। इसके बाद वे थाना मझोला पहुंचीं जहां उन्होंने माह जनवरी 2025 से अब तक महिला उत्पीड़न से जुड़े कुल दर्ज मामलों की संख्या के बारे में पुलिस इंस्पेक्टर से जानकारी ली साथ ही महिलाओं की सुविधा के लिए थाने में मौजूद संसाधनों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। वन स्टाफ सेंटर पहुंचकर राज्य महिला आयोग की सदस्य ने कुल प्राप्त मामले, निस्तारित मामले एवं महिलाओं की काउंसिलिंग को लेकर विभागीय नियमों के अनुपालन के बारे में वन स्टाफ सेंटर की मैनेजर से जानकारी ली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडलीय जिला चिकित्सालय पहुंचकर उन्होंने विभिन्न वार्डों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने वार्डों में पहुंचकर वहां भर्ती मरीजों से डॉक्टरों के आने और दवाइयां उपलब्ध कराने की स्थिति के बारे में पूंछा। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, हड्डी वार्ड और बच्चा वार्ड पहुंचकर वहां भर्ती मरीजों से समय पर दवाइयां मिलने और भोजन मिलने के बारे में पूंछा। उन्होंने चिकित्सालय में डॉक्टरों की संख्या और एक्सरे एवं अल्ट्रासाउंड सेवाओं के बारे में भी जानकारी ली। जिला जेल पहुंचकर उन्होंने महिला बंदियों के लिए जेल मानकों के अनुसार संसाधनों की उपलब्धता के साथ ही पाकशाला और चिकित्सालय आदि की व्यवस्थाएं देखीं। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री विजय कुमार यादव ने बताया कि पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए संचालित ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम की समय सारिणी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों को भारत सरकार की अधिकृत संस्था नीलिट से मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से रोजगारपरक ओ लेवल तथा सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण की सुविधा हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराये जाने के लिए आनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। इस योजना के अन्तर्गत ऐसे बेरोजगार युवक/युवतियां जिनके माता-पिता/ अभिभावक की वार्षिक आय ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में रुपये 01 लाख रुपए वार्षिक हो, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु पात्र होंगे। कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम शैक्षिक अर्हता (10+2) इण्टरमीडिएट आवश्यक है, प्रशिक्षणार्थी की अधिकतम आयु 35 वर्ष होनी चाहिए, प्रशिक्षणार्थी बेरोजगार हो तथा किसी शिक्षण संस्था से छात्रवृत्ति न लेता हो, कम्प्यूटर प्रशिक्षण का प्रवेश सत्र प्रत्येक वर्ष के माह जुलाई एवं जनवरी से प्रारम्भ होगा तथा नीलिट ओ लेवल कम्प्यूटर प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष की होगी। इसी प्रकार सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण की अवधि 03 माह होगी। ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु इच्छुक युवक/युवतियों द्वारा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ की बेवसाइट backwardwelfare.up.gov.in एवं obccomputertraining.upsdc.gov.in पर दिए गये लिंक के माध्यम से आनलाइन आवेदन दिनांक 14 जुलाई 2025 तक किया जा सकता है। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु ऑनलाइन आवेदन कर आवेदन की प्रति डाउनलोड कर समस्त अभिलेखों सहित निर्धारित तिथि 14 जुलाई 2025 तक हार्डकापी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मुरादाबाद को सायं 5:00 बजे तक जमा किया जा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले के 02 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश ने जारी किया कारण बताओ नोटिस। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29 ए के प्राविधानों के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग में पंजीकृत उत्तर प्रदेश के 119 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों द्वारा वर्ष 2019 से 2024 तक (06 वर्षों) के मध्य आयोग द्वारा आयोजित निर्वाचनों एक भी चुनाव नहीं लड़े जाने के फलस्वरूप भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश द्वारा इस पार्टियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुज सिंह ने बताया कि आयोग में दर्ज पार्टी के पते के अनुसार तहसील सदर के मझोला आवास विकास के निवासी अध्यक्ष/महासचिव किसान शक्ति जनतांत्रिक पार्टी और सैधरी, पोस्ट हरथला, वाया पाकबड़ा के अध्यक्ष/महासचिव राष्ट्रीय कांग्रेस (जे0) पार्टी को नोटिस जारी किया गया है। कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश द्वारा इन दोनों पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को कारण बताओ नोटिस पार्टी के पंजीकृत पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित किए गए हैं। कारण बताओ नोटिस के संबंध में पार्टी के अध्यक्ष/महासचिव अपना प्रत्यावेदन हलफनामा एवं सुसंगत अभिलेखों के साथ दिनांक 14 जुलाई 2025 तक कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश, चतुर्थ तल विकास भवन, जनपथ मार्केट, लखनऊ-226001 को उपलब्ध करा सकते हैं एवं सुनवाई के लिए निर्धारित दिनांक 21 जुलाई 2025 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के समय के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपस्थित हो सकते हैं। यदि पार्टी की ओर से कारण बताओ नोटिस के सम्बन्ध में निर्धारित तिथि के भीतर प्रत्यावेदन उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो यह माना जाएगा कि पार्टी को इस मामले में कुछ नहीं कहना है और पार्टी को राजनैतिक दलों की सूची से हटाए जाने के सम्बन्ध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश की ओर से संस्तुति सहित प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित कर दिया जाएगा।

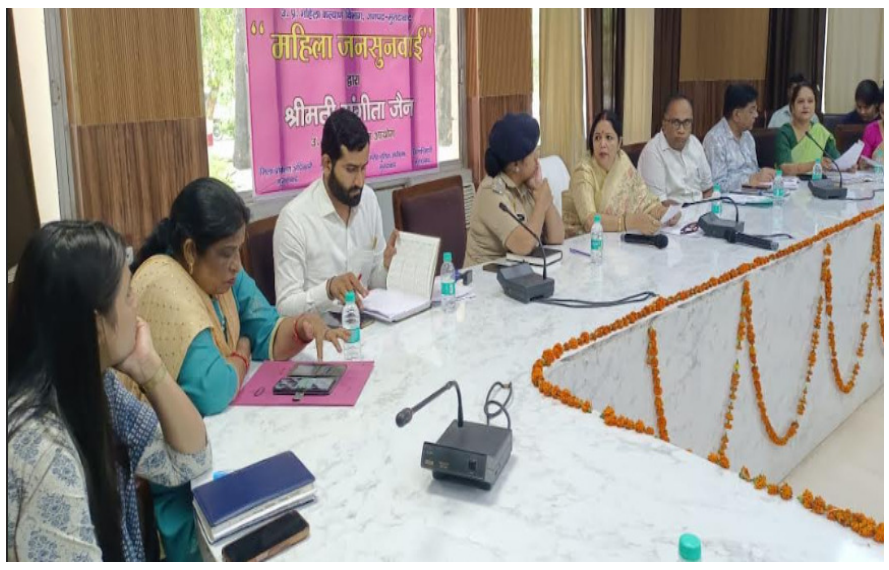

शोरूम का गेट गिरा... दबकर गार्ड ने तड़प तड़पकर तोड़ा दम, वायरल वीडियो देख खड़े हो जाएंगे रोंगटे

मुरादाबाद- मुरादाबाद के कटघर थाना इलाके में प्रभात मार्केट के पास शुक्रवार सुबह एक गेट गिर गया। गेट के नीचे दबने से गार्ड ने तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।मुरादाबाद के कटघर थानाक्षेत्र में प्रभात मार्केट स्थित होंडा शोरूम का गेट शुक्रवार सुबह गिर गया, जिसके नीचे दबकर गार्ड रविंद्र कुमार सिंह (58) ने तड़प तड़पकर दम तोड़ दिया। इसकी जानकारी मिलने पर परिजन आ गए और उन्होंने शोरूम मालिक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को शांत कराया और कार्रवाई का आश्वासन दिया। हालांकि देर रात तक परिवार की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं की गई है। दिल्ली रोड स्थित इलेवन ऑर्चिड निवासी मानिक मिगलानी का प्रभात मार्केट के पास होंडा बाइक का शोरूम है। इस शोरूम में शर्मा सिक्योरिटी कंपनी की ओर से कटघर के शिवनगर निवासी रविंद्र कुमार सिंह (58) गार्ड थे। रविंद्र के बेटे मोहित ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की सुबह करीब पौने सात बजे उसके पिता घर से ड्यूटी के लिए निकले थे, जब वह शोरूम पर पहुंचे तो उस समय तक शोरूम नहीं खुला था। सुबह करीब 8:30 बजे जब दूसरा गार्ड वहां से गया तो रविंद्र शोरूम के बाहर का स्लाइडर गेट बंद करने लगे। इसी दौरान गेट गिर गया, जिसके नीचे वह दब गए। उन्होंने गेट से निकलने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। आसपास के लोगों ने गेट हटाकर उन्हें बाहर निकाला गया है। इसकी जानकारी मिलने पर परिजन आ गए और उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने शोरूम और थाने पर पहुंचकर हंगामा कर दिया। आरोप लगाया कि शोरूम वालों ने लापरवाही के कारण गेट ठीक नहीं कराया था, जिस कारण चपेट में आकर रविंद्र कुमार की मौत हुई है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि परिजनों ने देर रात तक कोई तहरीर नहीं दी थी। रोंगटे खड़े कर रहा वायरल वीडियो - सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे तीन मिनट 46 सेकंड के वीडियो को देखकर रेंगटे खड़े हो जा रहे हैं। वीडियो में रविंद्र कुमार गेट बंद करते दिख रहे हैं और अचानक उनके ऊपर गेट गिर जाता है। इसके बाद वह गेट के नीचे दब जाते हैं। उन्होंने खुद को बचाने के लिए बहुत संघर्ष किया लेकिन गेट भारी होने के कारण वह सफल नहीं हो पाए। परिजनों को रोरोकर बुरा हाल- गार्ड रविंद्र कुमार के परिवार में पत्नी चंद्रकांता सैनी और एक बेटा मोहित कुमार है। रोज की तरह रविंद्र घर से निकले थे। उस वक्त घर में सबकुछ ठीक था। करीब साढ़े आठ बजे परिवार को हादसे की जानकारी मिली तो चीखपुकार मच गई।

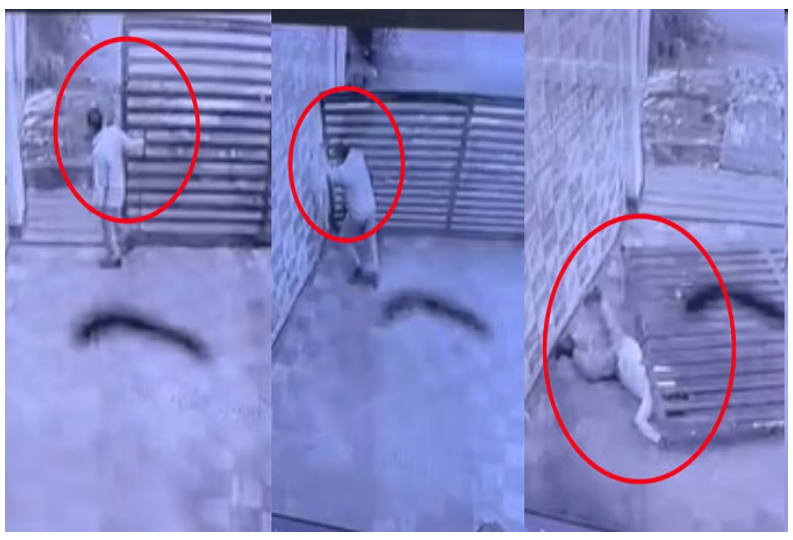

दूल्हे की मौत से टूटा दुल्हन का ख्वाब, दहलीज पर चीत्कार और सन्नाटा; सुखराम के परिवार में थी शादी पहली

मुरादाबाद- उत्तर प्रदेश के संभल जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। बरातियों की बोलेरो कॉलेज की दीवार से टकरा गई। हादसे में दूल्हे समेत आठ लोगों की जान चली गई। सड़क हादसे में दूल्हे समेत आठ की मौत की जानकारी से दुल्हन के घर और मंडप में सन्नाटा पसर गया। शादी की खुशी में मातम छा गया। संभल जिले में हुए सड़क हादसे में दूल्हे समेत आठ की मौत से बेटी की शादी का ख्वाब पलभर में उजड़ गया। दूल्हे के मौत की खबर मिलते ही दुल्हन की दहलीज सूनी हो गई। घर में चीख पुकार मच गई। पूरे गांव में मातम पसर गया। सांत्वना देने वाले लोगों की भीड़ जुट गई। वहीं, परिवार के कुछ लोग संभल के लिए रवाना हो गए। थाना क्षेत्र के गांव सिरतौल निवासी राजू ने अपनी बेटी अंजू की शादी संभल जिले के थाना गुन्नौर क्षेत्र के गांव हरगोविंदपुर निवासी एक युवक से की थी। शुक्रवार को बरात आने की तैयारी गांव में चल रही थी। बरात के स्वागत के लिए राजू और उसके रिश्तेदार और परिवार के सभी लोग तैयारी में लगे थे। घर में ढोल की थाप पर महिलाएं संगीत कर रही थी। बरात स्थल पर दावत की तैयारियां पूरी हो चुकी थी।इसी बीच मनहूस खबर मिली कि संभल जिले में हुए सड़क हादसे में दूल्हा समेत आठ लोगों की मौत हो गई। यह खबर मिलते ही बरात आने की खुशियां धरी की धरी रह गई। परिवार के लोग रोने बिलखने लगे। शादी की खुशी के वाले घर में मातम पसर गया।कुछ ही देर में गांव के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। गांव के लोगों ने बताया कि दुर्घटना की खबर सुनने के बाद दुल्हन पक्ष के लोग संभल की ओर निकल पड़े। दुल्हन अंजू और उसके परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। दुल्हन पक्ष के लोगों ने बताया कि शादी की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थी। हर कोई बरात आने का इंतजार कर रहा था, लेकिन इस खबर ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। परिवार में पहली शादी थी, घर में था कई दिनों से खुशियों का माहौल हादसे में जान गंवाने वाला दूल्हा सूरज अपने परिवार में सबसे बड़ा था। उसके बाद छोटा भाई आकाश और बहन कोमल थी। दोनों भाई मेहनत मजदूरी कर परिवार पाल रहे थे। सूरज की शादी को लेकर पिता सुखराम और मां संतोषी बेहद खुश थे लेकिन एक हादसे ने परिवार को उजाड़ दिया। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार में पहली शादी थी, इसलिए कई दिनों से घर में खुशियों का माहौल था। बरात भी खूब धूम से रवाना हुई थी लेकिन वक्त ने एक झटके में सारी खुशियों को छीन लिया।ग्रामीणों ने बताया कि सूरज की कार में बहन कोमल और दूसरे रिश्तेदार सवार थे। जबकि आकाश और उनके पिता सुखराम दूसरे वाहनों से बरात में रवाना हुए थे। मां संतोषी घर की देखभाल करने के लिए रुक गई थीं। हादसे की सूचना संतोषी तक पहुंची तो वह बेसुध हो गईं। बेटे और बेटी की मौत से सुखराम भी बिलखते हुए दिखाई दिए। आकाश भी बेहोश हो गया। ग्रामीणों ने किसी तरह संभाला। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के ज्यादातर लोग बरात में गए थे। हादसे की सूचना रास्ते में बरातियों को मिली तो सभी लौट आए। मेरठ-बदायूं रोड पर शुक्रवार की शाम करीब 7:30 बजे बरातियों की बोलेरो अनियंत्रित होकर इंटर कॉलेज की दीवार से टकरा गई। हादसे में दूल्हे सूरज पाल (20) समेत आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दूल्हे की बहन, चाची, चचेरी बहन और रिश्तेदार भी शामिल हैं।संभल के जुनावई थाना क्षेत्र के हरगोविंदपुर गांव निवासी सुखराम ने अपने बेटे सूरज की शादी जनपद बदायूं के थाना बिल्सी इलाके के सिरसौल गांव में तय की थी। शुक्रवार की शाम बरात गांव सिरसौल जा रही थी। बरातियों की 11 गाड़ियां पहले ही सिरसौल के लिए रवाना हो गईं थीं। एक बोलेरो पीछे रह गई थी, जिसमें दूल्हे समेत 10 लोग सवार थे। रास्ते में बोलेरो जुनावई स्थित जनता इंटर कॉलेज की दीवार जा टकराई।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी से विवाद के बाद पति ने पिता के क्लीनिक पर फंदा लगाकर दी जान

मुरादाबाद- ठाकुरद्वारा कोतवाली क्षेत्र में पत्नी से अनबन होने पर पति ने अपने पिता के क्लीनिक पहुंचकर फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मरने वाले युवक के पिता ने मृतक की पत्नी और ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली ठाकुरद्वारा क्षेत्र के मोहल्ला धोबियान कैलेंडर वाली मस्जिद निकट निवासी डॉ. समीर के बड़े बेटे जुनैद को मंडोवाला निवासी इशरत अली की बेटी सोनम से प्यार हो गया, जिसके बाद परिजनों ने उसकी शादी बीती 21 अप्रैल को सोनम परवीन के साथ करा दी। बताया गया कि कुछ दिन सब ठीक रहा, इसके बाद पति-पत्नी में अनबन शुरू हो गई। शुक्रवार की सुबह लगभग 6:00 बजे काशीपुर रोड स्थित डॉ. समीर के शिफा क्लीनिक के दो मंजिल बिल्डिंग के कमरे में बेटा जुनैद पंखे से लटका मिला। युवक के पिता ने लड़की पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। कोतवाली प्रभारी जसपाल सिंह ग्वाल ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

केमिकल के ड्रम से लदा कैंटर पलटा, करंट उतरने से लगी आग; चालक की जिंदा जलकर मौत

मुरादाबाद- गजरौला में केमिकल लदा कैंटर बिजली के खंभे में टकराकर पलट गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। अचानक आग लगने से उसके अंदर फंसा चालक जिंदा जल गया। इससे उसकी मौत हो गई। दमकल कर्मियों ने पहुंचकर आग बुझाई। अमरोहा के गजरौला में केमिकल के ड्रम लदा कैंटर बिजली के खंभे से टकरा कर पलट गया। पटने से कैंटर में आग लग गई। उसके चालक की जलकर मौत हो गई। वह बछरायूं के रहने वाला था और मुंबई से केमिकल का वाहन ला रहा था। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने किसी तरह ट्रक में लगी आग बुझाई। मगर उसमें कुछ नहीं बचा। चालक के परिवार का रो रोकर बुरा हाल है। शनिवार तड़के पांच बजे केमिकल के ड्रम लदा कैंटर धनौरा की दिशा में जा रहा था। कैंटर में कई सवारियां बैठी थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कैंटर कुमराला चौकी के पास बिजली के खंभे से टकरा कर पलट गया। टक्कर से खंभा भी टूट गया। उस समय बिजली आ रही थी। करंट दौड़ रहा तार कैंटर से छू गया। जिससे उसमें आग लग गई। बताया जा रहा है उसमें बैठी सवारियां जान बचा कर किसी तरह कूद गईं, लेकिन चालक जमाल निवासी बछरायूं फंस गया। उसकी जलकर मौत हो गई। उधर से जा रहे बहलोलपुर गांव निवासी रूप सिंह आंबेडकर ने कैंटर में आग लगती देख पुलिस को फोन किया। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने दमकल को सूचना दी। मौके पर पहुंचकर दमकल कर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। पुलिस ने बताया कि चालक मुंबई से कैंटर ला रहा था। केमिकल किसका था और कहां ले जाना था। इस बारे में अभी और जानकारी जुटाई जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मुहर्रम के चलते आज सुबह से लागू रहेगा रूट डायवर्जन,घर से जरा सोच संभलकर निकलें

क्यूँ न लिखूँ सच
पं सत्यमशर्मा

बरेली। रविवार यानी आज सुबह से रूट डायवर्जन लागू हो जाएगा। जुलूस के मार्गों पर रविवार सुबह छह बजे से सोमवार शाम चार बजे तक सभी प्रकार के भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। बरेली । में मोहर्रम पर रविवार को शहर व देहात क्षेत्र में जुलूस निकाले जाएंगे। एसपी यातायात ने शहरी क्षेत्र में वाहनों की नो एंट्री लागू करने के साथ ही भारी वाहनों के लिए डायवर्जन की व्यवस्था लागू की है। यह व्यवस्था रविवार सुबह छह बजे से सोमवार शाम चार बजे तक लागू हेग यह रहेगी व्यवस्था - झुमका तिराहा से मिनी बाईपास की तरफ सभी प्रकार के भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे और रोड नंबर- एक परसाखेड़ा से औद्योगिक क्षेत्र में आ-जा सकेंगे। रोजवेज बसें विलवा अंडरपास, इज्जतनगर, डेलापीर, 100 फुटा पूर्वी से सेटेलाइट बस स्टैंड तक आ सकेंगी व इसी रूट से वापस जा सकेंगी। - दिल्ली, मुरादाबाद, रामपुर, की ओर से आने वाले भारी वाहन रोडवेज बसें जिनको बरेली आना है, झुमका तिराहा, विलवा, विलयधाम, नवदिया झादा, इन्वर्टिस तिराहे से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे। रोडवेज बसें विल्वा अंडरपास, इज्जतनगर, डेलापीर, 100 फुटा पूर्वी से सेटेलाइट बस स्टैंड तक आ सकेगी व इसी मार्ग से वापस जाएंगी। - पीलीभीत, नैनीताल की तरफ से आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है वह बड़ा बाईपास से विलवा, विलयधाम, नवदिया झादा, इन्वर्टिस तिराहे से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे। रोडवेज बसें इज्जतनगर, डेलापीर, 100 फुटा पूर्वी से सेटेलाइट तक आ सकेंगी व इसी मार्ग से जा सकेंगी। - दिल्ली, रामपुर, व बरेली से बदायूं की तरफ जाने वाले भारी वाहन व रोडवेज बसें बड़े बाईपास से झुमका तिराहा, विलवा, विलयधाम, इन्वर्टिस तिराहा, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी से नवादा मोड़ होते हुए दातागंज होकर जा सकेंगे व इसी मार्ग से वापस आ सकेंगे। - दिल्ली, रामपुर, की तरफ से लखनऊ जाने वाले भारी वाहन बड़ा बाईपास होकर जा सकेंगे व इसी मार्ग से वापस आएंगे। - इन्वर्टिस तिराहा व ट्रांसपोर्ट नगर की तरफ से सेटेलाइट बस स्टैंड की तरफ आने वाले सभी भारी व हल्के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे, इसी तरह सेटेलाइट से इन्वर्टिस की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। सेटेलाइट तिराहे से बीसलपुर तिराहा से रामगंगा कॉलोनी होते हुए नवदिया झादा बड़ा बाईपास से होकर आवागमन कर सकेंगे। - मिनी बाईपास से किला पुल, दूल्हे मियां की मजार की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। इसी प्रकार चौकी चौराहे से चौपुला व किला पुल की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। कुदेशिया अंडरपास से किला क्रासिंग की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। - इज्जतनगर तिराहा, डेलापीर, संजय नगर तिराहा, श्यामगंज पुल, गांधी उद्यान होकर हल्के वाहन आ सकेंगे।

इसी तरह चौकी चौराहे से गांधी उद्यान, श्यामगंज पुल, डेलापीर, इज्जतनगर तिराहा होकर जा सकेंगे। डायवर्जन का पालन करें, परेशानी से बचें- एसपी यातायात एसपी यातायात अकमल खान ने बताया कि आम जनता व वाहन चालकों को परेशानी से बचाने के लिए यह डायवर्जन लागू किया है। लोगों को चाहिए कि वह बदली हुई व्यवस्था के ब्रहिसाब से आवागमन करें। वाहन चालक प्रतिबंधित क्षेत्र में न आकर वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें तो असुविधा से बच सकेंगे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ठाकुरद्वारा संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे 22 फरियादी। 2 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच

ठाकुरद्वारा में एसडीएम प्रीती सिंह और क्षेत्र अधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।संपूर्ण समाधान दिवस मे 22 फरियादियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं,

जिसमें 2 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया।ठाकुरद्वारा तहसील परिसर स्थित सभागार में शनिवार को एस डी एम प्रीती सिंह और क्षेत्र अधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 22 फरियादियों ने पहुंचकर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। मौके 2 शिकायतो का ही निस्तारण हो सका। एसडीएम ठाकुरद्वारा ने शिकायतों का समय से निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। इस दौरान संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम ठाकुरद्वारा प्रीती सिंह, क्षेत्र अधिकारी, विकास खंड अधिकारी ,नायब तहसीलदार कानूनगो आदि मौजूद रहे।

जोगी नवादा में निकलेगी शान से कांवड़ यात्रा एवं बारावफात का जुलूस

सारे शिकवे-गिले छोड गले मिले लोगसंभलकर निकलें

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। पिछले साल दो बार बवाल से जूझे और तत्कालीन एसएसपी प्रभाकर चौधरी के ट्रांसफर की वजह बने जोगी नवादा में इस बार अमन की बयार बहाने की कोशिश परवान चढ़ रही है। शुक्रवार आधी रात तक जोगी नवादा चौकी पर 19वीं बैठक में दोनों समुदाय के लोग जोगी नवादा में सावन में कांवड़ और सितंबर में निकलने वाले बारावफात के जुलूस निकालने पर एकमत हो गए। इसके बाद एक-दूसरे को फूल माला पहनाकर मिठाई खिलाई गई। बताते चलें कि बारादरी थाना क्षेत्र का जोगी नवादा इलाका मिश्रित आबादी का इलाका है। पिछली साल यहां दो समुदाय के लोग पहले बारावफात में और फिर कांवड़ जुलूस में आमने सामने आ गए थे। इस दौरान दो बार बवाल हुआ। नतीजा ये हुआ कि तत्कालीन बारादरी थाना प्रभारी अभिषेक सिंह समेत काफी स्टाफ को निलंबन झेलना पड़ा, वहीं एसएसपी का तबादला कर दिया गया।

न खुदा ही मिला न विसाले सनम

पति छोड़ आशिक से दिल लगाया, आशिक ने माशूका को यमलोक पहुंचाया

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। मीरा शर्मा की हत्या के मामले में उसके प्रेमी गुड्डू उर्फ आशिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मीरा के पिता ने आकर बिथरी थाने में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने जानकारी की तो पता लगा कि महिला का पति किसी दूसरे शहर में मजदूरी कर रहा था। उसे घटना की जानकारी नहीं थी। पुलिस अब आरोपी आशिक की तलाश में जुटी है। पीलीभीत जिले के बीसलपुर थाना क्षेत्र के गांव मीरपुर रिछौला निवासी मीरा शर्मा की शादी करीब आठ साल पहले भुता के गांव मल्हपुर निवासी पवन से हुई थी। बताते हैं कि साल भर पहले मीरा का पवन से विवाद हो गया तो वह उसे छोड़कर घर से चली आई थी। चार साल के बेटे को भी साथ ले आई थी। रामगंगा नगर सेक्टर सात के ब्लॉक आठ के एक क्वार्टर में वह शाहजहांपुर निवासी गुड्डू उर्फ आशिक के साथ किराये पर रहने लगी। शुक्रवार दोपहर पड़ोसियों ने बिथरी थाना पुलिस को सूचना दी कि मीरा का शव उसके कमरे में पड़ा है। इंस्पेक्टर चंद्र प्रकाश शुक्ल पुलिस के साथ पहुंच गए। शव के पास चार साल का बेटा बैठा मिला। पुलिस ने शव को सील कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। बेरहमी से पीटा, फिर गला दबाया पुलिस ने मायके और ससुरालवालों को सूचना देकर मीरा के शव का पोस्टमॉर्टम कराया। इसमें हाथों से गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। मीरा के चेहरे व शरीर में अन्य जगह चोट लगी हुई थी। लग रहा था कि उसे बेरहमी से पीटा गया है। मौत का समय लगभग 20 घंटे पहले का पुष्ट हुआ, इससे साफ हुआ कि रात के वक्त ही कहासुनी के बाद महिला की हत्या की गई है।

सागर गांव ग्रामपंचायत में सफाईकर्मी न होने से गांवों में फैली गंदगी

क्यूँ न लिखूँ सच- प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती । विकास खंड जमुनहा के ग्राम पंचायत सागर गांव में काफी दिनों से कोई भी सफाई कर्मी तैनात नहीं है। गांव की सभी नालियां पट चुकी है पानी निकालने का कहीं भी किसी भी प्रकार का रास्ता नहीं है। सड़कों पर भी जल भराव हो रहा है और इस समय उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार द्वारा संचारी रोग अभियान भी चलाया जा रहा है जिसके तहत लोगों को जागरुक भी किया जा रहा है परंतु सफाई कर्मी के तैनात न होने से गांव की सफाई नहीं हो पा रही है। बरसात के मौसम की वजह से सड़कों पर अधिक जल भराव एवं नालियों का पानी न निकलने के कारण मच्छरों का काफी आतंक बढ़ चुका है ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में सफाईकर्मी तैनात करने की मांग किया है।

बकरी से टकराई बाइक बाप-बेटा घायल

क्यूँ न लिखूँ सच- प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती जनपद में मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सागर गांव निवासी एक बाप-बेटा मोटरसाइकिल दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब दोनों बहराइच से अपने गांव लौट रहे थे। जंगलदास कुट्टी के पास अचानक सड़क पर आई एक बकरी से उनकी मोटरसाइकिल टकरा गई, जिससे दोनों सवार सड़क पर गिर पड़े। जानकारी के अनुसार सागर गांव निवासी हलीम (32) पुत्र अब्दुल हकीम व उनके पिता अब्दुल हकीम (63) पुत्र मुस्तकीम मोटरसाइकिल से बहराइच किसी काम से गए थे। लौटते समय जैसे ही उनकी बाइक जमुनहा-बहराइच राजमार्ग स्थित जंगलदास कुट्टी के समीप पहुंची, तभी अचानक सामने आई बकरी से टक्कर हो गई। बाइक सवार दोनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस द्वारा दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस हादसे में घायल बकरी की मौके पर ही मौत हो गई।

मोहर्रम के त्यौहार पर कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु मजिस्ट्रेटों की लगाई ड्यूटी

क्यूँ न लिखूँ सच
राजकुमार शर्मा (कटारे)

शिवपुर, रविवार को मोहर्रम का त्यौहार है। उक्त पर्व के दौरान शिवपुरी जिलांतर्गत कानून व्यवस्था बनाये रखने 7 जुलाई तक कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है। अपर जिला दण्डाधिकारी दिनेश चंद्र शुक्ला ने द्वारा बताया गया कि अनुविभाग करैरा, कोलारस, पोहरी एवं पिछोर के अनुविभागीय दण्डाधिकारी उक्त पर्व के दौरान अपने-अपने अनुभाग की कानून व्यवस्था बनाये रखने के प्रभारी रहेंगे व अपने स्तर से कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, राजस्व निरीक्षक व पटवारियों की ड्यूटी लगाकर वस्तुस्थिति से समय-समय पर अवगत करायेंगे। प्रभारी तहसीलदार / कार्यपालिक मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ भूषण शर्मा की ड्यूटी थाना कोतवाली एवं फिजीकल अंतर्गत आने वाले स्थानों पर, नायब तहसीलदार /कार्यपालिक मजिस्ट्रेट शिवम उपाध्याय की ड्यूटी थाना देहात अंतर्गत आने वाले स्थानों पर एवं नायब तहसीलदार / कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अनिल धाकड़ की ड्यूटी ताजियों के चल समारोह के दौरान एवं विसर्जन स्थल करबला पर लगाई गई है। उन्होंने बताया कि अनुपम शर्मा, अनुविभागीय दण्डाधिकारी शिवपुरी शहर अंतर्गत सम्पूर्ण कानून व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी रहेंगे तथा सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपने-अपने अनुविभागीय दण्डाधिकारी के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे। सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी समय-समय पर जिला दण्डाधिकारी एवं अपर जिला दण्डाधिकारी को वस्तुस्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

कच्ची शराब के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती । थाना को. भिनगा पुलिस द्वारा हीरालाल पुत्र रामतीरथ निवासी नौशाहरा थाना को. भिनगा, मंशा लाल पुत्र मुरालीलाल निवासी अवधूत नगर तथा

कृष्ण कुमार पुत्र जगराम निवासी अवधुत नगर के कब्जे से 10-10-09 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद होने के अपराध में थाना को. भिनगा पर धारा 60 आबकारी अधिनियम में 03 अभियोग पंजीकृत किए गए।

रोहिलखंड विश्वविद्यालय में पौधरोपण किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। रोहिलखंड विश्वविद्यालय के होटल मैनेजमेंट विभाग में प्राचीन इतिहास विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं फरीदपुर विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल एवं वित्त अधिकारी विनोद कुमार जी के द्वारा पौधा रोपण कार्यक्रम किया गया द्य इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिसर के प्रोफेसर एसएस बेदी,प्रोफेसर विजय बहादुर ,डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर पीवी सिंह ,डॉक्टर सौरभ वर्मा , डॉ प्रतिभा सागर, श् तपन वर्मा आदि लोगों की उसमें सहभागिता रही द्य इसी के साथ विभाग में आए हुए एक्सपर्ट्स डॉ पंकज मिश्रा ,रिटायर्ड प्रिंसिपल आईएचएम यमुनानगर श्री पीके गुप्ता जी , श्री पुनीत सक्सेना जी ने अपने गुर विद्यार्थियों के साथ साझा किया साथ ही उनको होटल के छेत्र मे रोजगार की अपार संभावनाओ के बारे मे जानकारी साझा की,और उनकी सफलता के लिए जरूरी टिप्स दिए गए ।

रास्ते को लेकर परेशान ग्रामीण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देकर की कार्यवाही की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच

डिलारी- जनपद मुरादाबाद के विकासखंड डिलारी की ग्राम पंचायत सुंदर नगर मैं में ग्रामीणों ने बताया कि गाटा संख्या 94 रकबा 1.064 हेक्टेयर के 100 मीटर में बने रास्ते में से 30 मी के रास्ते की दीवार नवाब के घर से शौकीन के घर तक गिर गई है। जिससे राहगीरों व अन्य गांव वालों को आने-जाने में परेशानी हो रही है ग्रामीणों का कहना है कि हम कई बार इसकी शिकायत कर चुके हैं ।मगर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है ग्राम प्रधान से कहते हैं तो वह कोई ना कोई बहाना बनाकर टाल देता है।जिससे अभी तक रास्ते का कोई सुधार नहीं हो पाया है ।ग्रामीणों ने संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर रास्ते को ठीक करने की मांग की है।

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा ने सीमावर्ती गांव में लगाया मानव चिकित्सा परामर्श शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच- प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेन्ट 62वी वाहिनी एसएसबी भिनगा के दिशा निर्देशन और डॉ कल्पना पाटिल सहायक कमांडेंट/ चिकित्सा के द्वारा सीमा चौकी सुईयां के कार्यक्षेत्र तालबगौड़ा गांव में मानव चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया ।इस कार्यक्रम के दौरान डॉ कल्पना पाटील, सहायक कमांडेंट/चिकित्सा के द्वारा ताल बगौड़ा के 21 पुरुष, 13 महिलाए व 18 बच्चे कुल 52 लोंगो को नि:शुल्क परामर्श के साथ दवाओं का वितरण किया गया । इस मौके पर उप निरीक्षक नेमा तुंदुप, सहायक उप निरीक्षक (फार्मासिस्ट) आलोक कुमार यादव के साथ अन्य जवान उपस्थित रहे ।

फर्जी वीजा भेजकर की पांच लाख की ठगी, रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र के रहने वाले युवक के बेटे-भाई समेत अन्य तीन लोगों को विदेश भेजने के नाम पर चंडीगढ़ के ठग ने पांच लाख रुपये की ठगी कर ली। रुपये वापस मांगने पर लगातार फर्जी कागजात भेज कर गुमराह करता रहा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना क्षेत्र के परतापुर जीवन सहाय निवासी इनाम अली ने बताया कि सेक्टर-45 चंडीगढ़ के रहने वाले मुनाजिर कुरैशी ने उसे झांसे में लिया और कहा कि वह उसके बेटे और भाई समेत तीन अन्य लोगों को पेरिस तथा अरब देशों में भेज देगा। इसके एवज में पांच लाख रुपये ले लिए। पिछले आठ माह से फर्जी वीजा, पेरिस का फर्जी इन्वीटेशन लेटर भेज कर गुमराह कर रहा है। आरोप है कि बेटे का मेडिकल भी दिल्ली में कराया। उसका बेटा बाहर देश में पीएचडी कर रहा था। उसको भी तीन बार भारत बुलाया। बार-बार आने में भी 2.25 लाख रुपये खर्च हुए। आरोपी ने एडवांस के तौर पर सभी से पांच लाख रुपये ठग लिए। रुपये मांगने पर टाल मटोल करता रहा। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डिजिटल अरेस्ट करने वाले गिरोह के चार साइबर ठग गिरफ्तार, रिटायर्ड वैज्ञानिक से वसूले थे 1.10 करोड़ रुपये

बरेली में आईवीआरआई के रिटायर्ड वैज्ञानिक को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगों ने उनसे 1.10 करोड़ रुपये वसूले थे। पीड़ित ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। साइबर पुलिस ने जांच शुरू की। एसटीएफ लखनऊ की मदद से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के रिटायर्ड वैज्ञानिक को डिजिटल अरेस्ट कर 1.10 करोड़ रुपये दूसरे खातों में ट्रांसफर करने वाले साइबर ठग गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बरेली की साइबर थाना पुलिस ने लखनऊ में चारों आरोपियों की गिरफ्तारी की। इसमें डीजीपी के आदेश से लखनऊ एसटीएफ ने भी टीम की मदद की। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को बरेली लाया गया। चारों आरोपियों में सुधीर कुमार चौरसिया, श्याम कुमार वर्मा, महेंद्र प्रताप सिंह लखनऊ के रहने वाले हैं जबकि रजनीश द्विवेदी गोंडा का निवासी है। इनसे चार चेकबुक, छह डेबिट कार्ड व छह मोबाइल फोन मिले हैं। महेंद्र नाम के शख्स के खाते में आए 12 लाख रुपये इन चारों ने बैंक जाकर निकाले और फिर क्रिप्टो करेंसी में बदलवाकर विदेश भेज दिए। एसपी क्राइम मनीष कुमार सोनकर ने शनिवार को मामले का खुलासा किया। इसके बाद चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, वहां से सभी को जेल भेजा गया है।

जानिए डिजिटल अरेस्ट का पूरा मामला पश्चिमी बंगाल के मूल निवासी वैज्ञानिक कई साल से आईवीआरआई में तैनात थे। संस्थान परिसर में सरकारी आवास में वह परिवार समेत रहते हैं। जनवरी में वह रिटायर हुए हैं। उन्होंने साइबर थाना जाकर इंस्पेक्टर दिनेश कुमार शर्मा को बताया कि 17 जून को उनके मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप कॉल आई। कॉलर ने खुद को बंगलूरू सिटी पुलिस का अधिकारी बताया। उसने कहा कि उनके आधार कार्ड से सिम निकालकर नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी व मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराध किए गए हैं। उनके यहां सदाकत खां नाम का शख्स पकड़ा गया है, जिसने उनका नाम लिया है। इससे वैज्ञानिक घबरा गए। जिस नंबर से कॉल आई उसकी व्हाट्सएप डीपी में पुलिस का लोगो लगा था तो वह उसे सच में पुलिस की कॉल मान बैठे।कॉल करने वाले ने उनको सीबीआई अधिकारी दया नायक के नाम पर एक मोबाइल नंबर देकर बात करने को कहा। वैज्ञानिक ने उस नंबर पर बात की तो खुद को दया नायक बता रहे कथित अधिकारी ने भी उन्हें डराया धमकाया।

कहा कि उनके बैंक खातों में अवैध धन आया है। कितना धन सही और कितना गलत है, इसे चेक करने के लिए उन्हें अपने खाते का सारा धन एक खाते में ट्रांसफर करना होगा, जांच के बाद धन उनके खाते में लौटा दिया जाएगा। वैज्ञानिक को भरोसे में लेने के लिए ठगों ने उनके ग्रामीण बैंक खाते में एक लाख रुपये लौटा भी दिए। 19 जून को ठगों ने उनके दो और खातों से 10 लाख और नौ लाख रुपये अपने इंडसइंड बैंक के खाते में ट्रांसफर करा लिए। इस पर आरोपियों ने अन्य खातों की रकम भी ट्रांसफर करने के लिए कहा। वैज्ञानिक को भरोसे में लेने के लिए ठगों ने उनके ग्रामीण बैंक खाते में एक लाख रुपये लौटा भी दिए। साइबर ठग इसी तरह रकम ट्रांसफर करात रहे।

संदेह होने पर बंगलूरू पुलिस से किया संपर्क तो खुली पोल संदेह होने पर वैज्ञानिक ने संबंधित नंबरों को गूगल पर तलाशा, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। तब उन्होंने बंगलूरू पुलिस का नंबर तलाश कर कॉल की। असली अधिकारी ने उनकी बात सुनी और बताया कि वह साइबर ठगी के शिकार हो गए हैं। तब उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

श्रद्धालुओं को बौद्ध तीर्थ दर्शन और पंच तख्त यात्रा कराएगी योगी सरकार, मिलेगा इतना आर्थिक सहयोग

सीएम ने बौद्ध तीर्थ दर्शन और पंच तख्त यात्रा योजना की घोषणा की। श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए 10 हजार की मदद मिलेगी। सीएम ने कहा कि श्रद्धालु चयन में पारदर्शिता हो। कमजोर आय वर्ग को वरीयता दी जाए।उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं की धार्मिक यात्राओं की आस पूरी करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को बैठक में निर्देश दिया कि बौद्ध श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं के लिए बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना और सिख श्रद्धालुओं के लिए पंच तख्त यात्रा योजना शुरू की जाए।इन योजनाओं के माध्यम से प्रति श्रद्धालु को 10 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग किया जाएगा। ताकि वे अपनी आस्था के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा सुलभता से कर सकें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि दोनों योजनाओं के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन की जाए। श्रद्धालुओं के चयन में पूरी पारदर्शिता के साथ कमजोर आय वर्ग के लोगों को वरीयता दी जानी चाहिए। दोनो ही योजनाएं आईआरसीटीसी के सहयोग से चलाई जाएंगी।दोनों योजनाएं सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लागू की जाएं मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के चयन में बौद्ध भिक्षुओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ये दोनों योजनाएं श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और धार्मिक आस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लागू की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ यात्राएं भारतीय संस्कृति में आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का माध्यम रही हैं। ऐसे में राज्य सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों को उनकी आस्था से जुड़े स्थलों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करें। भारत के पांच पवित्र 'तख्त साहिब' स्थल की यात्रा कराई जाएगी बता दें कि बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य प्रदेश के निवासी हिन्दू-बौद्ध श्रद्धालुओं को देश के विभिन्न भागों में स्थित बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा की साध पूरी कराना है। वहीं पंच तख्त यात्रा योजना सिख श्रद्धालुओं के लिए होगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के निवासी सिख श्रद्धालुओं को भारत के पांच पवित्र 'तख्त साहिब' स्थल की यात्रा कराई जाएगी।

कबड्डी खेलते-खेलते बच्चे की मौत: स्कूल में अचानक गिरा अरुण फिर न उठा, बेबस बुआ की बात सुन भर आएगी आंख

प्राचार्य सीताशरण का कहना है कि अरुण कबड्डी खेल रहा था। अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। बुआ ने बताया कि अरुण के पिता मजदूरी करने गए हैं जिन्हें सूचित कर दिया है। यूपी के झांसी स्थित समथर के उच्च प्राथमिक विद्यालय में शनिवार दोपहर करीब 12.30 बजे खेलते समय क्लास आठ में पढ़ने वाले छात्र की मौत हो गई है। छात्र की बुआ रजनी का कहना है कि भाई राजेश का पुत्र अरुण (14) उच्च प्राथमिक विद्यालय में कबड्डी खेल रहा था। खेलते समय अरुण अचानक गिर गया। स्कूल प्रशासन ने तुरंत सीएचसी पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज के रास्ते में उसकी मौत हो गई है। प्राचार्य सीताशरण का कहना है कि अरुण कबड्डी खेल रहा था। अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। बुआ ने बताया कि अरुण के पिता मजदूरी करने गए हैं जिन्हें सूचित कर दिया है।

कुंवारे लवर ने शादीशुदा प्रेमिका को काट डाला, बोला- प्यार में टेंशन दे रही थी; पति की तहरीर पर गिरफ्तार

यूपी के आजमगढ़ में शादिशुदा महिला की हत्या की सूचना पर पवई थाने की पुलिस पहुंच गई थी। आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया था। महिला के पति की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ नामजद हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था।आजमगढ़ के पवई थाना क्षेत्र में हुई महिला की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और मृतका का मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पकड़ा गया आरोपी विकास पवई थाना क्षेत्र के दावनपारा गांव का निवासी है।एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि तीन जुलाई को दावनपारा गांव निवासी संजय ने थाने पर तहरीर दी कि उसकी पत्नी अमरावती (30) की हत्या धारदार हथियार से कर दी गई है। तहरीर में विकास समेत चार लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने चार जुलाई को शाम 6.10 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे सर्विस लेन हमीरपुर तिराहे के पास से आरोपी विकास को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में विकास ने हत्या की बात कबूलते हुए बताया कि वह और अमरावती एक-दूसरे से प्रेम करते थे, लेकिन हाल के दिनों में बातचीत बंद हो गई थी। पुलिस ने की कार्रवाई घटना के दिन अमरावती ने झगड़े के दौरान उसे मारा, जिससे गुस्से में आकर उसने कुल्हाड़ी से उसकी गर्दन पर वार कर दिया और मौके से भाग हो गया। गिरफ्तारी के बाद विकास की निशानदेही पर पुलिस ने ग्राम खंडौरा स्थित सर्विस लेन के पास झाड़ियों से कुल्हाड़ी और मृतका का मोबाइल बरामद किया। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि अन्य नामजद अभियुक्तों की तलाश की जा रही है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट मैरिज के बाद अलीगढ़ युवक की पत्नी गायब, पुलिस भी खोज में जुटी

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ के युवक ने युवती से कोर्ट मैरिज की। अब वह पत्नी की तलाश में भटकता घूम रहा है। पत्नी की तलाश में सुरीर पुलिस को लेकर गांव डडीसरा पहुंच गया, लेकिन उसकी पत्नी का कोई पता नहीं चला। अलीगढ़ में थाना लोधा क्षेत्र के युवक का कहना है कि प्रेम-प्रसंग में घर से भागकर थाना पिसावां क्षेत्र की युवती के साथ 18 जून को कोर्ट मैरिज की थी। कोर्ट मैरिज कर वह पत्नी को लेकर ननिहाल में रह रहा था। 25 जून को दोनों के घरवालों के बीच पंचायत हुई। दो दिन के लिए घर घुमाने के बहाने से उसकी पत्नी को उसके घरवाले ले गए। इसके बाद से उसका पत्नी से कोई संपर्क नहीं हो रहा है। युवक को पता चला कि पत्नी को सुरीर के गांव डडीसरा में एक रिश्तेदारी में छिपा रखा है। उसने पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर पत्नी को बरामद करने की मांग की। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस युवक को साथ लेकर गांव डडीसरा पहुंच गई। यहां पूछताछ करने पर उसकी पत्नी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद युवक मायूस होकर वापस लौट गया।

बिना टिकट यात्रा और गंदगी फैलाने पर 53 यात्री पकड़े गए

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करने व गंदगी फैलाने वाले यात्रियों की धरपकड़ के लिए शुक्रवार को अभियान चलाया गया। विभिन्न ट्रेनों में ऐसे हुए 53 यात्री पकड़े गए। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हिमांशु शुक्ला के निर्देशन में टिकट रहित यात्रा करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए चेकिंग अभियान चलाया गया। गाड़ी संख्या 64103 अलीगढ़ से दिल्ली (ईएमयू), गाड़ी संख्या 64105 अलीगढ़ से नई दिल्ली (ईएमयू), गाड़ी संख्या 64581 हाथरस किला से दिल्ली (ईएमयू), गाड़ी संख्या 64167 गाजियाबाद से टूंडला (ईएमयू) गाड़ी संख्या 64152 दिल्ली से अलौगढ़ (मेमू) व) में चोला, खुर्जा व बैर रेलवे स्टेशनों पर चेकिंग की गई, 53 यात्री बिना टिकट पकड़े गए। इनसे 14,340 रुपये जुर्माना वसूला गया है।

छह जुलाई को अलीगढ़ आएंगे सांसद चंद्रशेखर आजाद, प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को करेंगे संबोधित

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ आजाद समाज पार्टी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसी क्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद प्रदेश के 18 मंडलों में प्रबुद्ध वर्ग मंडलीय सम्मेलन कर रहे हैं। सांसद आजाद छह जुलाई को सुबह 11 बजे आईटीआई रोड स्थित जुपिटर लॉज में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे रिटायर्ड सर्विसमैन, व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर और अधिवक्ताओं से संवाद कर पार्टी की नीतियों से जोड़ने का प्रयास करेंगे। मुख्य मंडल प्रभारी एमएस निमेश, पूर्व मंत्री चौधरी महेंद्र सिंह, मंडल प्रभारी गुफरान नूर, जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश मौर्य और जिला प्रभारी रिजवान अहमद ने बताया कि सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष सुनील चित्तौड़ भी भाग लेंगे। इस अवसर पर पार्टी के कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे।

ब्लाक मऊआइमा में मनरेगा कम्प्यूटर आपरेटिव हबीब के सह पर चल रहा है सैकड़ों फर्जी जाब कार्ड हाजिरी

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रयागराज के विकास खंड मऊआइमा में मनरेगा को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया है, जहां मनरेगा कम्प्यूटर आपरेटिव हबीब के दम पर चल रहा सैकड़ों फर्जी जाब कार्ड, वहीं मास्टर रोल पर एक साल पुरानी फोटो खींची हुई अपलोड की जा रही आनलाइन फर्जी हाजरी, ग्रामीणों ने मनरेगा कार्य को लेकर किया खुलासा, जहां साइड पर फर्जी मास्टर रोल पर लग रही है ऑनलाइन मनरेगा मजदूरों की ठंडी ऊनी फर्जी हाजिरी, जो प्रदेश मुम्बई दिल्ली गुजराज में युवक है उनके नाम से चल रहा है फर्जी मास्टर रोल-उनके खातों में भेजकर किया जा रहा है बन्दर बांट,मनरेगा कम्प्यूटर आपरेटिव मोहम्मद हबीब की मिली भगत से मनरेगा कार्यो में की जा रही है जमकर लूट, कम्प्यूटर आपरेटिव मोहम्मद हबीब अपने आपको पहुंच वाला बताता है, वहीं प्रदेश के उच्चअधिकारियों समेत जिले के उच्चअधिकारियों की आंख में धूल झोंकने में नहीं चूक रहे हैं मनरेगा कम्प्यूटर आपरेटिव मोहम्मद हबीब, प्रयागराज जिले के विकास खंड मऊआइमा ग्राम सभा पिलखुवा, अलावलपुर, जमखुरी, का मामला बताया जा रहा है जहां मनरेगा में ऑनलाइन फोटो ठंडी ऊनी फर्जी फोटो अपलोड करके करोड़ों रुपए निकाल कर रहे हैं बंदर बांट,

व्यापारी साहस दिवस प्रदेश अध्यक्ष अजय केसरी का सहारनपुर मंडल एवं जिला शामली ने भव्य स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली वैश्य समाज उत्तर प्रदेश सहारनपुर मंडल एवं जिला शामली के तत्वाधान में पदाधिकारी एवं सदस्यों की मीटिंग का आयोजन समाजसेवी मनोज मित्तल पूर्व सभासद के निवास पर किया गया। मीटिंग के मुख्य अतिथि माननीय श्री अजय केसरी प्रदेश अध्यक्ष वैश्य समाज उत्तर प्रदेश ने सभी से परिचय उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कैबिनेट मंत्री नंदी जी के पुन: प्राप्त जन्मदिन के अवसर को व्यापारी साहस दिवस के रूप में मनाया जाएगा यह प्रतीक होगा इस बात का की व्यापारी जिसको

आम व्यक्ति निर्बल मानने लगा है अब और निर्बल नहीं है एक साहसी है, जो भारत की अर्थव्यवस्था में अपने संपूर्ण धन का मुख्य भाग टैक्स के माध्यम से लगता है, इसी टैक्स भारत की सीमाओं पर सैनिक खड़े हैं हवा में वायु सेना खड़ी है, मंगल पर हमारा मिशन गया हैं , समुद्र में सेना के जहाज खड़े हैं, पूरे भारत में सड़कों का नाम निर्माण हो रहा है, भारत की अर्थव्यवस्था चौथे स्थान पर आ रही है, मित्रों तुम निर्बल नहीं हो तुम इस देश के सबसे सबल व्यक्तित्व हो इसलिए व्यापारी साहस दिवस को पूरे जोर से मनाओ कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिकाध्यक्ष अरविन्द संगल ने की एवम् कार्यक्रम में पवन सिंघल प्रभारी वैश्य समाज उत्तर प्रदेश, प्रदेश संरक्षक श्री नरेंद्र अग्रवाल जी हापुड़, प्रदेश संगठन मंत्री सुनीता गुप्ता मुरादाबाद, प्रदेश उपाध्यक्ष ऋषि केसरी (मवाना) ने? भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के मंडल प्रभारी डा राजेंद्र गोयल जी ने किया । इस अवसर पर मंडल कोषाध्यक्ष रवि संगल, अरविंद संगल चेयरमैन नगर पालिका परिषद शामली, संरक्षक विनोद गोयल एडवोकेट, जिला अध्यक्ष पंकज गुप्ता, नगर अध्यक्ष गौरव गोयल, जिला अध्यक्ष अंजलि गर्ग,व शिवाक गर्ग, वीना अग्रवाल, प्रदीप संगल, रामनाथ संगल, पवन? लैमन, किशन गर्ग, कमल बंसल, सुनीता गुप्ता स्वास्थ्य मंच, मनोज कुमार, शानु , शालू गर्ग, मीनाक्षी बंसल, रश्मि जैन,रेखा गोयल आदि मौजूद रहे।डॉ राजेन्द्र गोयल मंडल प्रभारी उत्तर प्रदेश वैश्य समाज सहारनपुर मंडल

चोरी की 05 मोटरसाइकिल बरामद कर 04 अभियुक्तों को किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच-शैलेन्द्र कुमार पांडेय

पुलिस अधीक्षक जनपद बहराइच के द्वारा दिये गये आदेशों निर्देशों के अनुपालन में अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु व वांछित अभियुक्त/ वारंटी की गिरफ्तारी व अनावरण हेतु अपर पुलिस अधीक्षक नगर जनपद बहराइच श्री रामानंद कुशवाहा व क्षेत्राधिकारी पयागपुर जनपद बहराइच के निर्देशन मे मुझ थानाध्यक्ष के द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 161/25,162/25,163/ 25 धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित चोरी गयी मोटर साईकिल की बरामदगी हेतु टीम गठित कर आज दिनांक 05.07.2025 को मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित चोरी गयी मोटर साईकिलो को 04 नफर अभि0गण के साथ कुल 05 अदद मोटर साईकिलो के साथ गिरफ्तार किया गया

संपूर्ण समाधान दिवस में सुनी गईं जन समस्याएं, 9 का हुआ मौके पर ही निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच- नीरज कुमार

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने संपूर्ण समाधान दिवस जालौन तहसील सभागार में नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। इस दौरान कुल 51 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 09 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केवल संतुष्टिपरक समाधान के बाद ही शिकायत की आख्या अपलोड की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निस्तारण की प्रक्रिया में संवाद, स्थलीय निरीक्षण और फीडबैक को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी अधिकारी केवल कार्यालय में बैठे-बैठे शिकायतों का निस्तारण न करें, ऐसा पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मौके पर निस्तारित शिकायतों में 03 नामांतरण, 03 प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, 02 दिव्यांगजन से जुड़ी समस्याएं तथा 01 पूर्ति विभाग से संबंधित शिकायत शामिल रही। समाधान दिवस में लगे विभागीय कैंप संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील परिसर में समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा विशेष कैंप लगाए गए। समाज कल्याण विभाग ने एक दिव्यांगजन का नया आवेदन स्वीकार किया और 02 वृद्धा पेंशन तथा 06 निराश्रित पेंशन के आवेदन में कमियां दूर कराई गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 06 दिव्यांगों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। वहीं आयुर्वेद विभाग के स्टॉल से 238 लोगों को निशुल्क औषधियाँ वितरित की गईं। संपूर्ण समाधान दिवस की कार्यप्रणाली को जन सेवा की दिशा में एक प्रभावी पहल शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध समाधान ही प्रशासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र देव शर्मा, उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य, उप जिलाधिकारी न्यायिक विशेश्वर यादव, आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत, खेत मे मिला शव

क्यूँ न लिखूँ सच

सिकंदरा । बहरिया थाना क्षेत्र के चौकी सिकंदरा अंतर्गत सुबह भोर खेत मे एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र मे हडकंप मच गया। जानकारी के अनुसार संदीप कुमार उर्फ अजय पुत्र लाल बहादुर निवासी सैफखानपुर उर्फ चिल्हराय थाना बहरिया शुक्रवार को शाम करीब सात बजे घर से निकला देर रात तक जब संदीप घर नही लौटा तो परिजन परेशान हो गये और क्षेत्र के हर गाँव मे रातभर खोजते रहें और फोन द्वारा रिस्तेदारो के यहा भी पता किये। लेकिन संदीप का कोई पता नही चला, थक-हार के परिजन घर आ गये कि अब सुबह पता किया जाऐगा। सुबह करीब सात बजे जब लोग खेत की ओर जाने लगे तो देखा कि घर से कुछ दूर पर ही धान की नर्सरी के पास लगे कटीले तार मे फस कर कोई गिरा हुआ है। ग्रामीण और संदीप के घर वाले मौके पर पहुचे तो देखा कि संदीप मृत पड़ा है। इससे क्षेत्र मे हडकंप मच गया और तरह तरह की चर्चाएं होने लगी। संदीप के परिजन खेत मे ही दहाड़े मार कर रोने लगे। किसी ने इसकी सूचना बहरिया पुलिस को दी। मौके पर पहुंची बहरिया पुलिस शव को कब्ज़े मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संदीप की मौत किस कारण हुई है। इसका अभी तक पता नही चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणो का पता चल पाएगा। सिर से उठा पिता का साया। संदीप की मौत से पत्नी रूची का रो रो कर बुराहाल हो गया है। संदीप के तीनों बच्चे रीयान्श चार वर्ष, प्रियान्श दो वर्ष व आयान्श एक वर्ष के है। संदीप के मौत से बच्चो के सिर से पिता का साया ऊठ गया। पत्नी रुची दहाड़े मारकर रो रही थी कि अब मेरे इन बच्चों का सहारा कौन होगा।

थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 20 लीटर अवैध देशी कच्ची शराब बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच

थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा दिनांक 04.07.2025 को ग्राम बडी बोंगी थाना क्षेत्र घूरपुर से 20 लीटर अवैध देशी कच्ची शराब के साथ 01 अभियुक्त प्रेम भारतीया पुत्र दादू भारतीया निवासी ग्राम मुरलीकोट थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 238/2025 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । पूछताछ का विवरण- पूछताछ पर अभियुक्त प्रेम भारतीया उपरोक्त ने बताया कि चोरी छिपे महुआ से कच्ची देशी शराब बनाकर बेचकर अपना व अपने परिवार का खर्चा चलाता हूं । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- प्रेम भारतीया पुत्र दादू भारतीया निवासी ग्राम मुरलीकोट थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 35 वर्ष । पंजीकृत अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0-238/2025 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज । बरामदगी का विवरण- 20 लीटर अवैध देशी कच्ची शराब गिरफ्तारी/ बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1.उ0नि0 अमित यादव थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज । 2.का0 अमित यादव थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज । 3.का0 सच्चिदानंद यादव थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।

द्रोणा डिफेंस एकेडमी का उरई में भव्य शुभारंभ, डायरेक्टर इंजी. राकेश कुमार सिंह और प्रबंधक हिमांशु सर ने साझा किया विज़न

क्यूँ न लिखूँ सच- नीरज कुमार

उरई (जालौन)- जनपद जालौन के उरई शहर में द्रोणा डिफेंस एकेडमी का भव्य शुभारंभ समारोह हिमांशु सर की मात जी श्रीमती अखिलेश देवी जी के द्वारा फीता काट कर संपन्न हुआ। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, अभिभावकों और सैकड़ों छात्र-छात्राओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। ग्वालियर से आई द्रोणा टीम ने बच्चों और उनके अभिभावकों को ऋद्धस्ष्ट देहरादून, राष्ट्री मिलिट्री स्कूल व सैनिक स्कूल में प्रवेश की प्रक्रिया, पाठ्यक्रम और चयन की रणनीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता रही एकेडमी के डायरेक्टर इंजी. राकेश कुमार सिंह और प्रबंधक हिमांशु सर का संबोधन, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे यह एकेडमी न सिर्फ डिफेंस परीक्षाओं की तैयारी कराएगी, बल्कि बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति जैसे गुणों का भी विकास करेगी। राकेश सर ने कहा, हमारा उद्देश्य है कि बुंदेलखंड के हर बच्चे को देश की सेवा के लिए सक्षम बनाया जाए। द्रोणा डिफेंस सिर्फ एक कोचिंग नहीं, बल्कि एक मिशन है। वहीं प्रबंधक हिमांशु सर ने कहा कि हम व्यक्तिगत मार्गदर्शन और अनुशासित वातावरण के माध्यम से बच्चों को उनके लक्ष्य तक पहुँचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे। एकेडमी में हर छात्र को वैयक्तिक ध्यान दिया जाएगा ताकि उसका सर्वांगीण विकास हो। इस अवसर पर एक सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें मेधावी छात्रों को उनकी शैक्षणिक और शारीरिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करते समय छात्रों के चेहरों की खुशी और आत्मविश्वास देखते ही बन रहा था। एकेडमी की विशेषताएं॰ कक्षा 2 से 8 तक के छात्रों के लिए विशेष डिफेंस कोचिंग अनुभवी शिक्षकों द्वारा पढ़ाई के साथ-साथ फिजिकल ट्रे?निंग RIMC, सैनिक स्कूल, राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल प्रवेश परीक्षाओं की संपूर्ण तैयारी अनुशासन, चरित्र निर्माण और देशभक्ति आधारित वातावरण कार्यक्रम के अंत में आए अभिभावकों और बच्चों ने एकेडमी की व्यवस्थाओं की सराहना की और इस पहल को उरई के लिए एक मील का पत्थर बताया। द्रोणा डिफेंस एकेडमी अब उरई के छात्रों के लिए भविष्य को नई दिशा देने का सशक्त माध्यम बनेगी। इस अवसर पर रोहित बिनायक सलिल तिवारी मुकेश यादव कुठौंदा दुष्यंत दीक्षित, अरुण श्रीवास्तव भूपेंद्र सिंह शिवाजी बिपिन जगभान रश्मि राजावत नीलकमल वीणा सिंह आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक आरती सिंह द्वारा संयुक्त रूप से श्रंगीरामपुर घाट पर काँवड़ यात्रा की तैयारियों का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक आरती सिंह द्वारा संयुक्त रूप से श्रंगीरामपुर घाट पर कॉवड़ यात्रा की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा घाट पर बेरिकेडिंग कराने, प्रकाश की व्यवस्था करने व चेतावनी बोर्ड लगाने व पीने के पानी की व्यवस्था के लिये टैंकर लगाने के निर्देश दिये गये, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को यात्रा मार्ग की सड़कों के गड्ढे भरवाने के लिये निर्देशित किया गया,जिला पंचायतराज अधिकारी व खंड विकास अधिकारी कमालगंज को रोड से गंगा किनारे तक के कच्चे मार्ग का समतलीकरण कराने के लिये निर्देशित किया गया,थानाध्यक्ष कमालगंज को सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये निर्देशित किया गया। उपजिलाधिकारी सदर रजनी कान्त पाण्डेय व संवंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गांव में युवती के साथ छेड़छाड़ का आप विरोध करने पर पीड़िता को दी जान से मारने की धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

कांधला शामली कांधला थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक 22 वर्षीय युवती ने पुलिस में तहरीर देकर गांव के एक ही युवक पर छेड़छाड़ और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी है पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर जा रही थी तभी गांव का एक युवक रास्ते में मिला आरोपी ने उसे बीच रास्ते में रोककर अक्ष्लल हरकतें करते हुए छेड़छाड़ की यूपी में जब आरोपी का विरोध किया तो उसने उसके साथ हाथापाई की और जान से मारने की धमकी दी डरी हुई युक्ति ने घटना की सूचना अपने परिजनों को दी जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई पीड़िता की तहरीर पर थाना पुलिस ने आरोपी युवक मनजीत निवासी चढ़ाव के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी पुलिस का कहना है कि आरोपी जल्द ही गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी इस घटना ने गांव में हड़कंप मचा दिया ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की मांग की है महिला सुरक्षा को लेकर स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से गांव में सुरक्षा बढ़ाने की अपील भी की है पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजी से जांच की जा रही है और पीड़िता को हर संभव सुरक्षा प्रदान की जाएगी

किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुराचार करने का आरोपी पुलिस के शिकंजे में भेजा गया जेल

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव की

एक किशोरी को गांव के बाजार से सामान लेने गयी थी।जिसका एक युवक अपहरण कर ले गया था। किशोरी के पिता ने मऊआइमा थाने में प्रतापगढ़ के थाना रानीगंज के ग्राम रामनगर निवासी मोहित कुमार गौतम पुत्र मुन्नी लाल गौतम उर्फ मोती लाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। मऊआइमा थाने के उप निरीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, रामानुज सिंह, हेड कांस्टेबल सन्त सिंह ने दादूपुर बाजार से मोहित कुमार को गिरफ्तार कर पीड़िता को बरामद कर उसका मेडिकल और न्यायालय में बयान के बाद दुराचार की पुष्टि होने पर दुराचार की धारा बढा कर मोहित कुमार गौतम को जेल भेज दिया।

Everyone wears branded clothes, but have you ever wondered why the logo is always on the left side? The reason is special

Why Logo Is On Left Side The importance of branded clothes has increased in the world of fashion. You must have noticed that the logo on branded clothes is always on the left side.

According to Neetu Singh, visual commercial manager of a famous brand, this also identifies the brand. Most people's attention first goes to the left side, due to which the logo is easily visible. The world of fashion is very big. You will get to see something new here. Have you ever paid attention to the logo of clothes? The world of fashion is very big. You will definitely get to see something new here. Fashion does not only mean makeup, but a good outfit also comes under the category of fashion. In today's time, no one can live without shopping. Girls need new dresses every month. Now most people like to wear branded clothes. But whenever you buy a branded shirt, T-shirt or jacket, you must have noticed that in most clothes, the logo i.e. the mark of that brand (clothing branding facts) or name is placed on the left side only. Have you ever wondered why this happens? Is it just a part of styling or is there any special reason hidden behind it? To know about this, we spoke to Neetu Singh, Visual Commercial Manager of a famous brand. This is the reason for placing the logo on the left side. Neetu Singh told that the logo is placed on the left side (clothing brand logo placement) because our heart is also on this side. When the logo of a brand is placed there, it becomes close to the heart of that person. In such a situation, an emotional connection is formed between the customers and the brand. It is easily visible. She also says that most people work with the left hand. In such a situation, the logo on the left side is also easily visible. You must have seen that from school uniforms to police or military dresses, the name or rank is always on the left side. This trend gradually became a part of fashion as well. Attention goes to the left side Neetu Singh said that whenever we buy any clothes, our eyes first go to the left side. This is the right side for us. In such a situation, if the logo is on the left side, it immediately comes to the eyes of the onlookers. It is the identity of the brand - Let us tell you that every brand wants its logo to look different and everyone remembers it. By putting the logo on the left side, that place becomes the identity of the brand. Whenever a customer sees that brand again, he remembers that side. You can also identify the real and fake brand from this.

Khloe Kardashian got Rhinoplasty done, this surgery is not only useful for beauty, it is also useful in 5 problems

America's famous TV star Khloe Kardashian has recently got nose surgery done which is called Rhinoplasty. This surgery is done to change the shape and structure of the nose. Most people get it done to improve their breathing problems. Recently Khloe called nose job. Most people get it media personality and Kim undergone nose surgery. She herself post. During this, she spoke openly face. Let us tell you that the surgery surgery. Most people also get it done We will tell you what Rhinoplasty is. to it with you. So let's know in detail - Rhinoplasty is a type of plastic changed. Many actresses or actors get it done to correct breathing problems. Rhinoplasty done? If there is any better. If the bone of the nose is been broken before and to get it if the nose is too thick, bent down or (deviated septum), then the doctor can nostrils has become too big, then it is also be made smaller or bigger

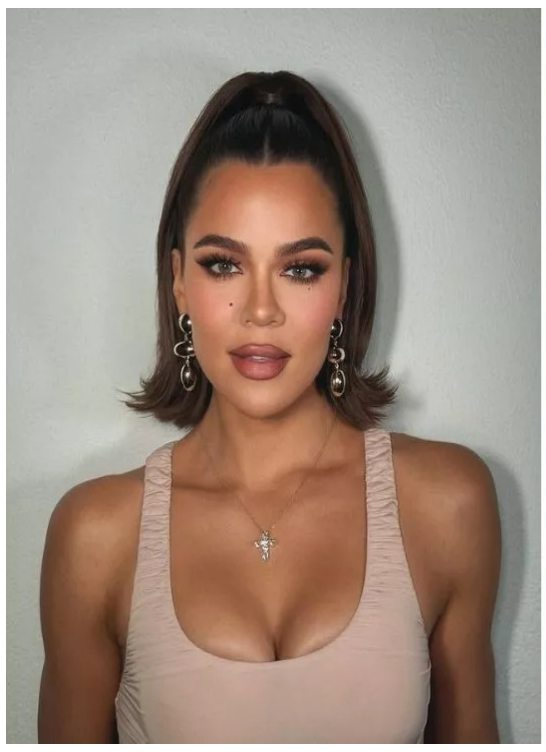

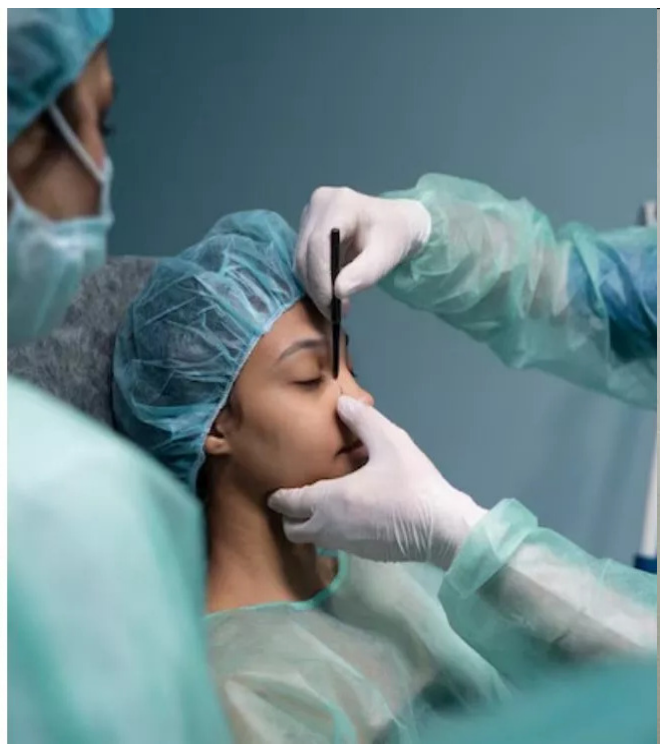

looks, although some people also get it done to fix Kardashian has got nose surgery done. Rhinoplasty is done to look beautiful. America's famous TV star, social Kardashian's sister Khloe Kardashian has recently has given this information while reacting to a social media about the surgical and non-surgical process done on her that Khloe has done is called Rhinoplasty. This is a nose as a cosmetic surgery. Our article today is on this topic. Along with this, we will share every information related what is Rhinoplasty? According to Cleveland Clinic, surgery. In this, the shape and structure of the nose is it done to improve their looks. However, some people get Rhinoplasty is also called nose job. Who can get defect in the nose from birth. To make one's looks look crooked. If there is difficulty in breathing. If the nose has repaired. What does Rhinoplasty do? With Rhinoplasty, crooked, then it can be corrected. Or if the bone is crooked operate and straighten it. Apart from this, if the size of also changed. Apart from this, the size of the nose can according to the face. How many types of Rhinoplasty are there? Open Rhinoplasty- In this, a small incision is made outside the nose. Closed Rhinoplasty- In this, all the incisions are made from inside the nose, due to which no scar is visible. Cosmetic Rhinoplasty- This is done to enhance the beauty of the nose. Nonsurgical Rhinoplasty- There is no surgery in this, rather some changes are made by giving injections. How common is Rhinoplasty? According to Cleveland Clinic, Rhinoplasty is the most commonly done cosmetic surgery in America. Here every year about 3.5 lakh people get it done. Benefits of Rhinoplasty The shape and size of the nose can be changed. The face starts looking more beautiful. The bone or internal defect of the nose is corrected. After getting this done, breathing problems are cured. Know its risks as well: A hole can develop in the bone in the middle of the nose. Infection: Bleeding from the nose. Wound not healing or leaving a scar. Change in the color of the nose. Loss of the ability to smell. Pain in the nose persists. Need for surgery again.

Make 4 chocolate desserts for your partner on World Chocolate Day, sweetness will dissolve in relationships

World Chocolate Day 2025 World Chocolate Day is celebrated every year on 7th July. People adopt many ways to make this day special. If you also want to make this day memorable with your partner, then make something sweet at home. These special desserts will deepen your love even more. World Chocolate Day is celebrated every year on 7th July. On this day, tremendous celebration of Chocolate Day is seen all over the world. This day becomes even more special for those people who know how to add sweetness to relationships. In such a situation, if you also want to make this day special and memorable with your partner, then why not make something sweet and special for them at home this time. Most people buy chocolates from the market and like to eat them. But let us tell you that there is a feeling of love and belonging in things made at home. In such a situation, if you serve a special chocolate dessert made by yourself to your partner, then both its sweetness and emotional value will double. This is a way by which you can also express your love. So on this World Chocolate Day, add a little more sweetness to your relationship. Our article today is also on this topic. We are going to tell you about some special chocolate desserts which you can make on this special occasion. Let's know in detail - Chocolate Brownie - Chocolate Brownie is a special dessert. If you want to make World Chocolate Day memorable, then you can make Chocolate Brownie for your partner. Making it is not a difficult task either. It is made from flour, cocoa powder, baking powder and sugar. Chocolate Pizza - If your partner likes to eat sweets, then chocolate pizza can be a great option. This pizza prepared with chocolate sauce, strawberries and dry fruit toppings will be liked very much by your better half. He will never get tired of praising you. Chocolate Truffles If you want, you can also make chocolate truffles for your partner on this special occasion. It is made by mixing dark chocolate and fresh cream. It is rolled into small balls and served after coating with cocoa powder. Believe me, your partner is going to like this dessert a lot. Chocolate Pudding- Chocolate pudding is best for a romantic date. Serve it with cream, ice cream or hot chocolate sauce. It will leave no stone unturned in making your day special. Let us tell you that it gets prepared very quickly.

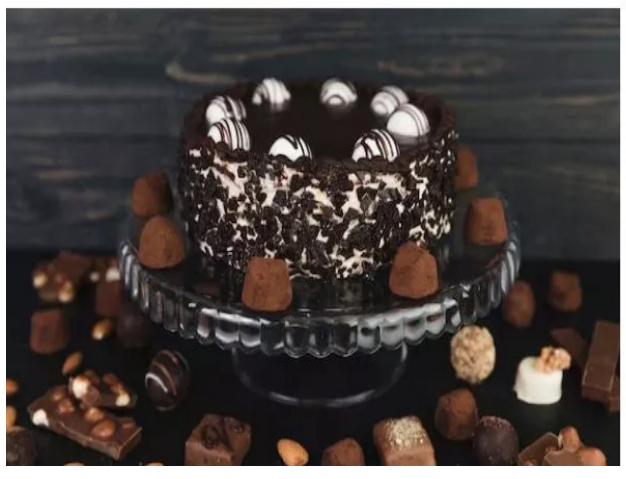

'Saw blood in the washroom and...', Mahhi Vij was going to have twins, pain overflowed after losing one baby

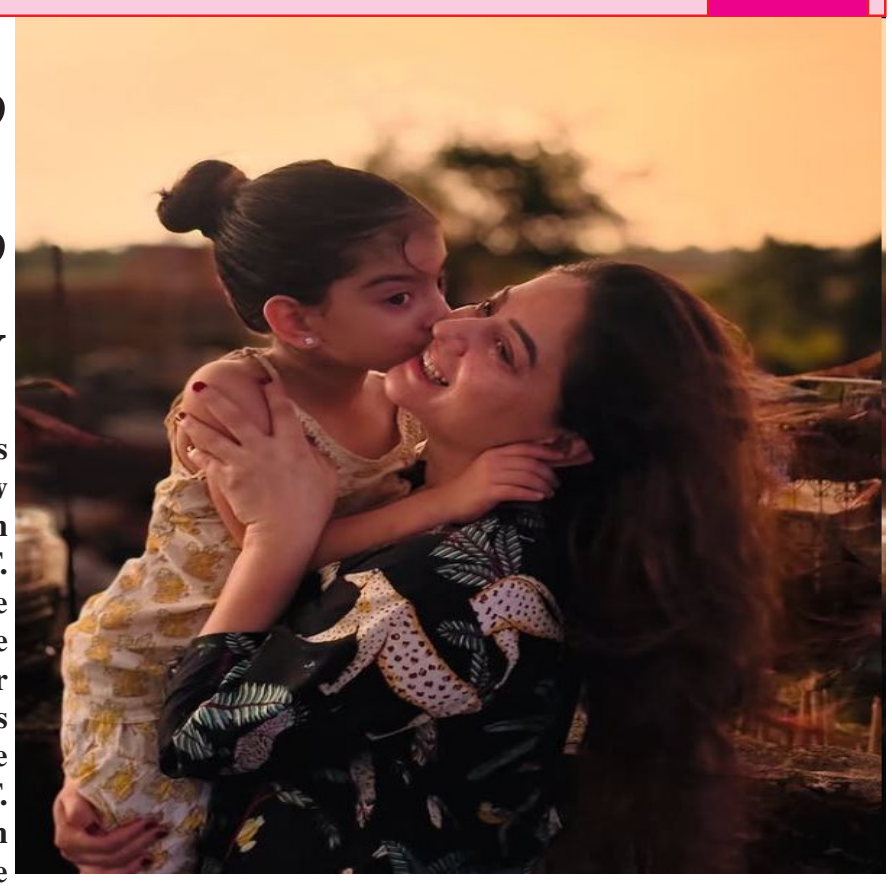

TV actress Mahhi Vij is the mother of a lovely daughter Tara. In the year 2019, she gave birth to a daughter. But years later, she has now revealed that she had not one but two children. She gave birth to twins, one of whom she lost. Know about this. Mahi Vij had become the mother of twins. Mahi lost one child during delivery. Mahi Vij had spent 8 lakhs on IVF. Mahi Vij had become the mother of twins. Mahi lost one child during delivery. Mahi Vij had spent 8 lakhs on IVF. Mahi Vij had lost one child. In a conversation with Housefly, Mahi Vij said, "I had twins and they were both in separate sacs. The baby in the second sac was not growing, so the doctor told me to pray that it comes out on its own because sometimes, it is possible that it pulls out the other baby as well. I saw blood in the washroom and I panicked. The doctor said, 'Don't panic, it's good that this happened, the healthy baby has survived. Now pray for that baby'." Lakhs of rupees were spent on IVF. Mahi Vij became a mother through IVF. She had frozen her eggs at the age of 32 and went through the IVF process at the age of 36. During this time, she suffered a lot but never let it bother her. She spent 8 lakh rupees on IVF. Recalling that period, Mahi said, "When I was 36 years old, I needed a partner for myself. I took a break of 4 years. Then I conceived through IVF." Mahi Vij further said, "I had to take a lot of injections. I used to inject myself on my thigh, one on my stomach. The injection on my back used to hurt so much that I could not sleep on that side but I did not cry. I felt that something good was happening. I was very positive and I just wanted a partner for myself."

After the death of Shefali Jariwala, these two people fulfilled her last wish, said- now it will never be made...

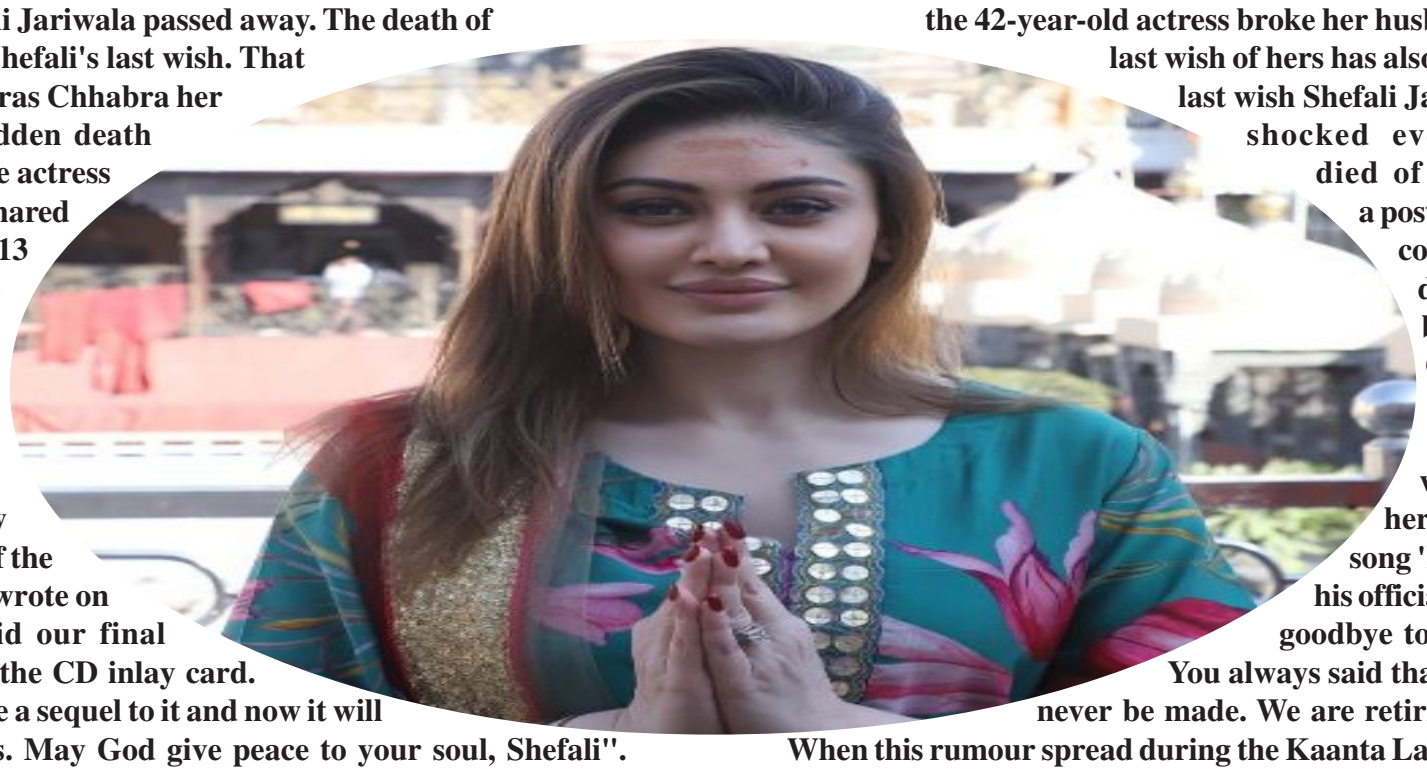

On 27 June, Kaanta Laga girl Shefali Jariwala passed away. The death of the 42-year-old actress broke her husband Parag Tyagi as well as her family and friends. We had told you what was Shefali's last wish. That last wish of hers has also been fulfilled. Shefali Jariwala's last wish was fulfilled The actress had told Paras Chhabra her last wish Shefali Jariwala's this song will never be made now The news of Shefali Jariwala's sudden death shocked everyone. In the initial post-mortem investigation, it was revealed that the actress died of cardiac arrest. Remembering Shefali Jariwala, her husband Parag Tyagi shared a post. Recently we told you that Shefali Jariwala had told her friend and Bigg Boss 13 contestant Paras Chhabra what her last wish was on the show. Now after the demise of 'Kaanta Laga Girl', her last wish has been fulfilled and tribute has been paid to the actress. Shefali Jariwala's last wish was fulfilled. When Paras Chhabra asked Shefali Jariwala in his podcast that since the beginning people call her 'Kaanta Laga' girl, does she not get tired of hearing this? Responding to which, Shefali said that she is the only one in the whole world who is known as 'Kaanta Laga' girl and her last wish is that people should know her by this name. Now this wish of hers has been fulfilled by the music director of the song 'Kaanta Laga' girl, Radhika Rao and Vinay Sapru. Paying tribute to Shefali, he wrote on his official Instagram account, "On Wednesday, you had a prayer meeting and we said our final goodbye to you. From the first photo session, to the making of the Kaanta Laga song... the CD inlay card. You always said that you want people to know you only as the 'Kaanta Laga' girl, so we never made a sequel to it and now it will never be made. We are retiring the song Kaanta Laga forever. This is your song and will always be yours. May God give peace to your soul, Shefali". When this rumour spread during the Kaanta Laga song, let us tell you that the song Kaanta Laga was released in the year 2002. This music video made her a star overnight. While in those days cassettes of songs were sold for Rs 20, this was the only song whose cassette was for Rs 55, which Paras Chhabra told about in his show. At the end of this song, Shefali Jariwala shows her tattoo. In those days when this song was released, the news spread that Shefali Jariwala had died. She also told in the podcast that how her relatives used to come to her parents and say that the girl has spoiled the name. However, this song became her identity.

This 2 hour 25 minute film took away the sleep of the night! The actor who played the role of the villain became a superstar

Some old films of Hindi cinema are often mentioned among the people. 26 years ago, a film was released in which the actor who played the role of the villain became a superstar. After watching the movie, people were blown away. Let's know what was the story of this film and which stars were included in the star cast. This film released 26 years ago was liked a lot. The villain of the film had created fear among the people. After watching the climax, your mind will spin. Cinema lovers can understand that the best film is considered to be the one, after watching which its story stays in the mind for months. Not only this, the characters of the film seem absolutely real and hatred for the villain is felt. Today we are talking about a Bollywood film released 26 years ago, whose characters are often mentioned among the audience even today. There are some selected films of Hindi cinema, in which the work of the actor playing the role of the villain was discussed a lot. Not only this, he was seen dominating the role of the hero as well. The fear of the film we are talking about here had settled in the minds of people for months. Ashutosh Rana was the villain in the film Sanjay Dutt has worked in many great films in his career. One of his films was released in the year 1988, in which Kajol worked with him. If you have not been able to guess the name of this movie, then let us tell you that we are talking about the film Dushman. Ashutosh Rana played the role of a villain in Dushman. The name of his character in the film was Gokul Pandit. Whenever his best characters are discussed, this name is definitely included. Actually, he fulfilled the need of the character very well and spread terror among the people with his terrifying acting. Let us tell you that Ashutosh Rana won the hearts of people with 'Dushman'. The audience liked the story of 'Dushman' very much. Talking about the story of this film released 26 years ago, Sanjay Dutt played the role of a handicapped person, who later falls in love with Kajol's character. In this movie, the veteran actress played the double role of Sonia and Naina Sehgal. Ashutosh brutally murders Kajol's sister in the film, after seeing which everyone's soul trembles. Kajol keeps burning in the fire of taking revenge for her sister's murder. On the other hand, Ashutosh's character is so scary and strong that no one dares to mess with him. This is the reason why it is shown in the climax of the film that how Sanjay and Kajol together take revenge from this villain.